Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 16 ● अंक-69 ● रायपुर, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
चैत्र कृष्ण
पक्ष-एकादशी

सुविचार

अपना कार्य स्वयं करें, दूसरों पर विश्वास करोगे, तो हमेशा धोखा ही मिलेगा।
- स्वदेश तिवारी

3

मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी करें मतदान : कलेक्टर

4

बेटियों को भी मिले उचित सम्मान, उन्हें न समझा जाए बोझ

7

एमसीबी प्रेस क्लब रजिस्टर्ड 1 वर्ष किया 1 वर्ष में किए बड़े-बड़े आयोजन जिला एम,सी बी प्रेस क्लब बनी एक नई,पहचान

संक्षिप्त समाचार

भ्रष्टाचार बनाम जीरो टॉलरेंस के बीच है मुकाबला-योगी आदित्यनाथ

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश में हो रहे लोकसभा चुनाव के परिणाम स्पष्ट हैं और किसी को भी भाजपा की जीत को लेकर कोई संदेह नहीं है। हमारी जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा का चुनाव बहुत स्पष्ट है। ये पहले ही दो ध्रुवों में विभाजित हो चुका है। इस बार फैमिली बनाम नेशन फर्स्ट, तुष्टीकरण बनाम राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार बनाम जीरो टॉलरेंस के बीच मुकाबला है। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की हालत खराब है, उन्हें ढूंढने से भी प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सूरसदन में प्रबुद्धजनों को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने पार्टी के प्रत्याशी, वर्तमान सांसद और केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल के समर्थन में प्रचार किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 18वीं लोकसभा का चुनाव पहला ऐसा चुनाव है।

एनडीए की मेरिट सूची में सैनिक स्कूल कपूरथला के तीन छात्र रैंकिंग में शीर्ष पर

कपूरथला। सैनिक स्कूल कपूरथला के तीन सैन्य छात्रों ने एनडीए के लिए हुई संघीय लोक सेवा आयोग यूपीएससी की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ टॉप स्थान प्राप्त पाया है। इन तीनों छात्रों के नाम कैडेट मनन शर्मा, कैडेट अरमान बाथ एवं कैडेट दिव्यम जोशी है जो एनडीए के लिए 152 वीं कोर्स के लिए चयनित हुए हैं। जानकारी हो कि कैडेट मनन शर्मा सैनिक स्कूल कपूरथला में सत्र- 2022 - 2023 में स्कूल एडजुडेंट स्कूल उप कप्तान थे । उल्लेखनीय है कि यूपीएससी की जारी मेरिट सूची में उक्त तीनों छात्रों ने शीर्ष रैंकिंग में जगह प्राप्त की है। सैनिक स्कूल कपूरथला की प्रधानाचार्या ग्रुप कैप्टन मधु सेंगर ने छात्रों की इन शानदार सफलता पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने सफल छात्रों के सहयोगी माता-पिता, स्कूल में तैनात अधिकारियों के टीम और समर्पित शिक्षकों को इसके लिए बधाई दी है। और कहा है कि इन सभी की सराहनीय प्रतिबद्धता ने इन छात्रों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मानसा बस स्टैंड पर बच्चे की लाश मिलने के मामले में दिल दहला देने वाला खुलासा, मां ही निकली हत्यारिन

मानसा। स्थानीय बस अड्डे पर दो दिन पहले जिस बच्चे का शव मिला था उस मामले में अहम खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक बच्चे की हत्या उसकी मां ने ही करवाई। इस बाबत एसपी (डी) ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि संदीप कौर पत्नी हरप्रीत सिंह बिलासपुर ने अपने भतीजे की पहचान अगमजोत सिंह (7) के रूप में बताते हुए अपनी भाभी वीरपाल कौर पत्नी हरदीप सिंह निवासी तलवंडी साबो पर आरोप लगाए। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ कि कथित आरोपी वीरपाल कौर का पति 3 साल से बठिंडा जेल में था।

कूचबिहार में विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी

वो गरीबी हटाओ कहते रहे... हमने 25 करोड़ को राहत दी

कूचबिहार/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि आजादी के बाद हमारे देश में 6-7 दशक तक लोगों ने सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस का मॉडल देखा। पिछले 10 सालों में देश ने पहली बार पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार का मॉडल देखा है। आज दुनिया कहती है मजबूत नेता है, दुनिया कहती है मोदी कड़े और बड़े फैसले लेने वाला नेता है। मैं तो विनम्रता से यही कहना चाहता हूं मोदी तो भारत की जनता का बहुत सामान्य सेवक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि यह टीएमसी के गुंडे आपको वोट देने से रोकते हैं तो पूरी हिम्मत से खड़े हो जाइए, इस बार चुनाव आयोग बहुत जागरूक है, आपके एक-एक वोट की ताकत वे समझते हैं इसलिए आप निडर होकर वोट करने निकलिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि टीएमसी कांग्रेस और लेफ्ट की राजनीति झूठ, भ्रम और अपप्रचार पर टिकी है। इंडी गठबंधन अपने आप में झूठ और भ्रम का प्रत्यक्ष उदाहरण है, यहां टीएमसी, लेफ्ट और कांग्रेस वाले आपस में लड़ते हैं लेकिन दिल्ली में ये एक साथ रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि बंगाल के विकास के लिए यहां भाजपा का मजबूत होना बहुत जरूरी है, भाजपा ही है जो यहां माताओं-बहनों पर होने वाले अत्याचार को रोक सकती है। पूरे देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखाली के गुनहगारों को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। संदेशखाली की महिलाओं के साथ जो हुआ वह टीएमसी के अत्याचार की पराकाष्ठा थी। भाजपा ने संकल्प लिया है कि वह संदेशखाली के दोषियों को सज़ा दिलवाकर ही रहेगा, उन्हें जेल में ही जिंदगी काटनी पड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि यह 10 साल में जो विकास हुआ है वह सिर्फ ट्रेलर है। अभी तो मुझे बहुत कुछ करना है, अभी तो हमें देश को, पश्चिम बंगाल को बहुत आगे ले जाना है। मेरे विरोधी कहते हैं मोदी का परिवार नहीं है, मेरे लिए मेरा भारत मेरा परिवार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि आजादी के बाद हमारे देश में 6-7 दशक तक लोगों ने सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस का मॉडल देखा। पिछले 10 सालों में देश ने पहली बार पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार का मॉडल देखा है। आज दुनिया कहती है मजबूत नेता है, दुनिया कहती है मोदी कड़े और बड़े फैसले लेने वाला नेता है। मैं तो विनम्रता से यही कहना चाहता हूं मोदी तो भारत की जनता का बहुत सामान्य सेवक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैं सबसे पहले बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं क्योंकि 2019 में मैं इसी मैदान में जनसभा करने आया था तब उन्होंने एक बड़ा मंच बीच में बनाकर मैदान छोटा कर दिया था, मैंने तब उनसे कहा था कि जनता आपको जवाब देगी।

संदेशखाली के गुनहगारों को सजा दिलाकर रहेंगे

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने संदेशखाली की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने चेतावनी दी कि संदेशखाली घटना के लिए केवल तृणमूल ही जिम्मेदार है और इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने सीएए को लेकर बंगाल की जनता को आश्वस्त करते कहा कि भाजपा सरकार सीएए लेकर आई है। ऐसे में हर परिवार को नागरिकता मोदी की गारंटी है। उन्होंने लोगों को चेताया कि सीएए को लेकर तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी जनता को डरा सकते हैं। मोदी ने कहा कि आपने मेरा दस साल का काम देखा है। मोदी की गारंटी पर भरोसा रखें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार बंगाल की को 'लखपति दीदी' बनाएगी। इस योजना के तहत प्रदेश की तीन करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाया जाएगा।

झूठ और अफवाह की राजनीति में जुटा है विपक्ष

पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि टीएमसी, लेफ्ट और कांग्रेस का इंडी गठबंधन सिर्फ झूठ और अफ्वाह की राजनीति में जुटा है। इन्होंने मतुआ, राजबंशी और नामशूद्र साथियों की कभी परवाह नहीं की, लेकिन आज जब भाजपा सरकार सीएए लेकर आई तो ये अफ्वाहें फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री ने संदेशखाली मामले को लेकर भी पश्चिम बंगाल सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि पूरे बंगाल ने ही नहीं बल्कि पूरे देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखाली के गुनहगारों को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि संदेशखाली की महिलाओं के साथ जो हुआ, वो पश्चिम बंगाल सरकार के अत्याचार की पराकाष्ठा है। इसलिए मैं बंगाल सरकार का कोई रुकावट न करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

ईडी ने किया विरोध

कविता की अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली शराब घोटाला मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार तक के लिए बीआरएस नेता के कविता की अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। उन्होंने अपने बेटे की परीक्षा को लेकर जमानत मांगी है। फिलहाल, वह अभी न्यायिक हिरासत में हैं। उनकी नियमित जमानत याचिका को 20 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया गया है। शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्रीय समिति की नेता के कविता की ओर से दायर अंतरिम जमानत याचिका पर दिल्ली कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। के कविता और ईडी की ओर से पक्ष रखने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। के कविता की ओर से कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनू सिंघवी ने कहा कि के कविता को भी पीएमएलए की धारा 45 के प्रावधानों के तहत जमानत मिलनी चाहिए। वहीं के कविता की जमानत का प्रवर्तन निदेशालय ने विरोध किया। कविता को ईडी ने हैदराबाद से 15 मार्च 2024 की शाम को उनके घर से गिरफ्तार किया था। कई घंटों की पूछताछ और छापेमारी के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी की ओर से गिरफ्तार की गई के कविता हाई प्रोफाइल नेताओं में से एक हैं। इसके अलावा अन्य नेता भी जेल में बंद हैं। शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी जेल में बंद हैं।

फारूक अब्दुल्ला स्वास्थ्य कारणों से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा लोकसभा सदस्य फारूक अब्दुल्ला स्वास्थ्य कारणों से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को यह जानकारी दी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के रावतपोरा इलाके में पार्टी ब्लॉक सम्मेलन में कहा, उनके पिता फारूक अब्दुल्ला स्वास्थ्य कारणों से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अभी तक श्रीनगर और बारामूला लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है।

प्रत्याशियों में 30 प्रतिशत दलबदलू

दूसरे दल से आए नेताओं पर पटनायक को भरोसा

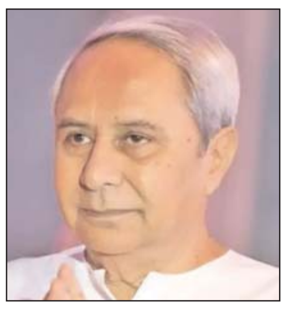

भुवनेश्वर। ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले नेताओं के बीच पार्टी बदलने की होड़ मची हुई है। इस बीच, बीजू जनता दल(बीजद) ने लगभग 30 प्रतिशत दूसरे दल से आए नेताओं को भरोसा जताया है। 21 लोकसभा सीटों के लिए बीजद द्वारा घोषित 20 उम्मीदवारों में से कम से कम सात नेताओं को टिकट दिया जो भाजपा या कांग्रेस से आए थे। लोकसभा चुनाव के लिए पटनायक ने जिन नेताओं पर भरोसा जताया है वे हैं सुरेंद्र सिंह भोई (बोलनगीर), परिणीता मिश्रा (बारगढ़), भृगु बक्सीपात्रा (बेरहामपुर), मनमथ राउतराय (भुवनेश्वर), अंसुमन मोहंती (केंद्रपाड़ा), प्रदीप माझी (नबरंगपुर) और धनुर्जय सिधू (क्योंझर)।

वायनाड पहुंचीं स्मृति ईरानी का राहुल गांधी पर वार

परिवार के नाम पर वायनाड के लोगों को धोखा दिया-ईरानी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने गुरुवार को वायनाड में भाजपा उम्मीदवार और पार्टी के केरल प्रमुख के सुरेंद्रन के समर्थन में रैली करते हुए राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। रोड शो में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अमेठी के लोगों को धोखा देने के बाद राहुल गांधी वायनाड में भी ऐसा ही करने की तैयारी में हैं। उनका यह बयान पूर्व कांग्रेस प्रमुख द्वारा वायनाड में एक विशाल रोड शो आयोजित करने के एक दिन बाद आया है, जहां से वह मौजूदा सांसद हैं। उन्होंने कहा कि जब (नरेंद्र) मोदी प्रधान मंत्री बने तो अमेठी में 4 लाख परिवारों को पहली बार शौचालय मिला। कांग्रेस ने वहां 50 साल तक शासन किया और मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही 12 लोगों को अपना घर मिला। स्मृति ईरानी ने कहा कि अब, मैंने सुना है कि वे वायनाड के लोगों को अपना परिवार कह रहे हैं। उन्होंने परिवार के नाम पर अमेठी के लोगों को धोखा दिया और अब वे वायनाड में भी ऐसा ही करने का लक्ष्य बना रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वायनाड से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ शहर में रोड शो किया और क्षेत्र को अपना ''घर'' तथा लोगों को अपना ''परिवार'' बताया।

उत्तर प्रदेश के पहले चरण में सभी 14 सीटों पर खिलेगा कमल

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर में जनसभा को संबोधित किया। अमित शाह ने आगामी लोकसभा चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य पर जोर दिया। उन्होंने आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की तुलना विपक्ष के नेतृत्व वाले भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के गठबंधन से की। श्री शाह ने आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और शासन के ट्रैक रिकॉर्ड पर प्रकाश डालते हुए 400 सीटों का लक्ष्य को पूरा करने का आह्वान किया। अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है।

जांच एजेंसी भाजपा के इशारे पर काम कर रहे

सांप पर भरोसा कर सकते है लेकिन बीजेपी पर नहीं-ममता

कूचबिहार। एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जहरीले सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से इस पर गौर करने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आप एक जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैं, आप इसे पाल भी सकते हैं, लेकिन आप भाजपा पर कभी भरोसा नहीं कर सकते... भाजपा देश को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी ''केंद्रीय एजेंसियों की धमकी के आगे नहीं झुकेगी।'' बनर्जी ने कूचबिहार में महिलाओं से आग्रह किया कि अगर 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव से पहलेबी एसएफ द्वारा स्थानीय लोगों पर अत्याचार करने की घटनाएं होती हैं'' तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं।

भरोसा डिगने से बढ़ गई पार्टी की चिंता..

लोकसभा चुनाव...के रण में अपने छोड़ रहे कांग्रेस का साथ

देहरादून। एजेंसी

लोकसभा के चुनावी महासमर की दुंदुभि बज चुकी है। उत्तराखंड की रणभूमि में कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे के सामने डटे हैं। ऐसे में जिन सूरमाओं पर कांग्रेस को भरोसा था कि चुनावी नैया के खेवनहार बनेंगे, वे बीच में ही हाथ झटक कर पार्टी को बाय-बाय कर रहे हैं। नामांकन के बाद जब चुनाव में अधिक दिन शेष नहीं रह गए हैं, ऐसे समय में भी यह क्रम थमने का नाम नहीं ले रहा है। नेताओं में मची इस भगदड़ से कांग्रेस का केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व, दोनों हतप्रभ हैं। जनाधार बचाने के साथ ही जनता में पैठ रखने वाले नेताओं को पार्टी के साथ बनाए रखने का संकट गहरा गया है। आश्चर्यजनक यह भी है कि जिन नेताओं के जाने का पूर्वाभास पार्टी को रहा, उन्हें मनाने अथवा रोकने या साधने के लिए इस बार समय रहते असंतोष प्रबंधन के प्रयास धरातल पर दिखाई नहीं दिए। जीत दर्ज करने के लिए पूरी ताकत लगा रही पार्टी के सामने कठिन होती जा रही इन परिस्थितियों से पार पाने की चुनौती खड़ी हो गई है। 18वीं लोकसभा के चुनाव के अवसर पर उत्तराखंड में कांग्रेस के सामने धुर विरोधी भाजपा लगातार नई परेशानी उत्पन्न कर रही है। कांग्रेस के नेता एक के बाद एक पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। पिछले दो लोकसभा चुनाव में हार के क्रम को तोड़कर तीसरे चुनाव में जीतने और खाता खोलने का दबाव प्रमुख विपक्षी दल पर पहले से ही बना हुआ है। जनाधार का यह संकट अब पार्टी के मजबूत नेताओं के भरोसे को डिगाने लगा है। प्रदेश की सभी संसदीय सीटों पर नेताओं के छोड़ने से पार्टी को क्षति पहुंची है। कांग्रेस को उसके अपनों ने ही बड़ा झटका दे दिया। गढ़वाल और टिहरी संसदीय क्षेत्रों में विधायक एवं पूर्व विधायकों ने चुनावी युद्ध तेज होते ही पार्टी छोड़ दी। सत्ताधारी दल भाजपा ने कांग्रेस में तोड़फोड़ कर चुनाव से ठीक पहले विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं के मनोबल को भी निशाने पर लिया है। इसे मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, टूट-फूट का अंदेशा होने के बाद भी कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन समय रहते कदम नहीं उठा पाए। इस चुनाव में कांग्रेस को पटखनी देने की भाजपा की रणनीति की काट ढूंढने में देरी स्पष्ट नजर आई है, साथ ही बाद में परिस्थितियों को संभालने के लिए के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता महसूस नहीं की जा रही है। विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में बड़े नेताओं का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाना कांग्रेस के चुनाव जीतने की संभावना के दृष्टिगत किसी सदमे से कम नहीं है। गढ़वाल संसदीय क्षेत्र में पार्टी को तब बड़ा झटका लगा, जब इस क्षेत्र के एकमात्र विधायक राजेंद्र भंडारी ने पार्टी छोड़ दी। प्रदेश में कांग्रेस के पास मात्र 19 विधायक ही थे। विधानसभा सदस्यता से राजेंद्र भंडारी के त्यागपत्र और यह सीट रिक्त घोषित होने के बाद कांग्रेस विधायकों की संख्या घटकर 18 हो चुकी है। इस संसदीय क्षेत्र से पिछला लोकसभा चुनाव लड़े कांग्रेस प्रत्याशी मनीष खंडूड़ी भी अब भाजपा में हैं।

नेता कह रहे कांग्रेस पार्टी को अलविदा

इसी संसदीय सीट के अंतर्गत पौड़ी सुरक्षित सीट से प्रत्याशी रहे नवल किशोर और चौबट्टाखाल सीट से प्रत्याशी रहे केसर सिंह नेगी ने भी कांग्रेस को अलविदा कह दिया। इसी प्रकार रुद्रप्रयाग जिले से पूर्व ब्लाक प्रमुख व रुद्रप्रयाग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहीं लक्ष्मी राणा और लैंसडौन विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहीं अनुकृति गुसाई भी कांग्रेस को छोड़ चुकी हैं। यद्यपि, लक्ष्मी राणा और अनुकृति गुसाई अभी तक भाजपा में सम्मिलित नहीं हुई हैं। टिहरी संसदीय सीट से भी उत्तरकाशी जिले की गंगोत्री सीट से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रहे विजयपाल सिंह सजवाण और जिले की ही पुरोला सीट से पूर्व विधायक मालचंद भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा चुके हैं।

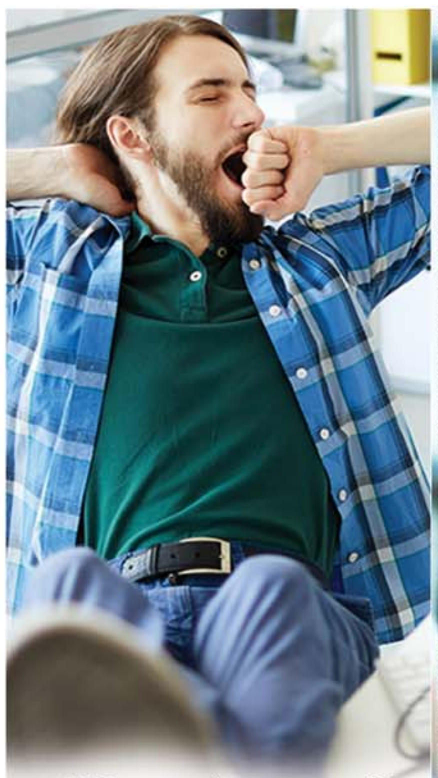

ऑफिस में आपकी इमेज खराब कर देंगी ये आदतें

आप ऑफिस में अपना काम तो कम लगाकर करते हैं और आपका काम भी बहुत अच्छा है, लेकिन अगर आपने ये पांच गलतियां की तो सारी मेहनत धरी की धरी रह जाएगी। आपकी कुछ आदतें ऑफिस में आपको बदनाम कर सकती है, अब भले ही आपका काम अच्छा क्यों न हों। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी 5 आदतें हैं जिन्हें सुधारना जरूरी है:

- क्या आप उनमें से हैं जो ऑफिस का डेकोरम मेनटेन नहीं रखते। सबसे पहले आप अपने आने का समय चेक कीजिए। क्या आप रोजाना लेट पहुंचते हैं? आपकी यह लेटलतीफी आपकी इमेज को नुकसान पहुंचा सकती है।
- आपने यह बात नोटिस की है कि आप इधर की बातें उधर करते हैं। अगर हां, तो तुरंत ही गॉसिपिंग की आदत छोड़ दें। अगर आप एक सहकर्मी की बुराई दूसरे सहकर्मी के सामने करेंगे तो इससे नेगेटिव इमेज पेश होगी। वहीं ऑफिस का माहौल बिगाड़ने का दोष भी आपके सर पर होगा।
- आपने इस बात को शायद ही सोचा होगा लेकिन ऑफिस में भी आपकी साफ-सफाई की आदतें नोटिस की जाती है। अगर आप अपनी डेस्क अस्त-व्यस्त और साफ नहीं होगी तो दूसरे आपसे कतराएंगे।
- कहीं भी, कुछ भी कहने की आदत आपमें तो नहीं? आपकी बोली में कहीं रूखापन तो नहीं? अगर ऐसा है तो आपको अपने एटिट्यूड को बदलना होगा। आपको सीनियर हो या जूनियर सभी से ऑफिस में विनम्रता से बात करनी चाहिए।
- अगर आप ऑफिस के फोन या फिर अपने मोबाइल पर तेज आवाज में बात करते हैं या फिर आपके मोबाइल की रिंगटोन काफी तेज है तो यह आपके आस-पास बैठे सभी लोगों को डिस्ट्रैक्ट और इरिटेट कर सकता है।

जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ें या लें ऑनलाइन कोचिंग

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को क्रैक करना आसान नहीं होता। इसमें गंभीरता से तैयारी करने और पढ़ाई के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है। फिर चाहे वह बैंकिंग की परीक्षा हो, एसएससी सीजीएल परीक्षा हो या फिर आईएएस/ पीएससी परीक्षाएं हों। जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं। ऐसे में यह हर परीक्षार्थी पर निर्भर करता है कि वह अपने लिए कौन-सा रास्ता चुनता है। कोचिंग इंस्टीट्यूट और ऑनलाइन पढ़ाई दोनों के ही सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। आपको चाहिए कि आप इन दोनों पक्षों को तौलकर फैसला करें कि आपके लिए कौन-सा रास्ता मुफीद रहेगा। तो चलिए, इन दोनों ही रास्तों के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर नजर दौड़ाते हैं।

कोचिंग इंस्टीटयूट्स

परंपरागत तौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स अग्रणी रहे हैं। यहां तक कि कोचिंग उद्योग अपने आप में एक बेहद सफल और कमाऊ उद्योग बन गया है। बड़े से लेकर छोटे शहरों तक में कोचिंग संस्थानों की बहार है। जहां कई विद्यार्थी इन संस्थानों की कोचिंग का लाभ लेकर विभिन्न परीक्षाओं में टॉप करते आए हैं, वहीं ऐसे भी विद्यार्थी हैं, जिन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट्स पर भारी खर्च किया मगर नतीजा सिफर ही रहा।

मार्गदर्शन

किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट में जाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि वहां आपको शिक्षकों का मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलती है। इन संस्थानों में नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों के पास प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी व्यापक अनुभव और ज्ञान होता है। इसलिए वे विद्यार्थियों के हुनर को मांजकर और उनकी कमजोरियों को ताकत में बदलकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सही राह दिखाने में सक्षम होते हैं।

स्टडी मटेरियल

कोचिंग क्लासेज में पैकेज के तहत जो स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाता है, वह विशेषज्ञों द्वारा एग्जाम पैटर्न और संपूर्ण सिलेबस के गहराई से अध्ययन के बाद तैयार किया जाता है। इसलिए इस मटेरियल में परीक्षा में महत्व के अनुसार टॉपिक्स कवर किए जाने की अधिक संभावना रहती है।

टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन

जो उम्मीदवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी नए हैं, उनके लिए समय प्रबंधन करना और पढ़ाई के मामले में अनुशासन का पालन करना जरा कठिन होता है। फिर यह भी है कि कई युवा अपनी अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ या फिर जॉब के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा यदि कोचिंग इंस्टीट्यूट जॉइन करते हैं, तो यह सुनिश्चित हो जाता है कि वे अपनी तैयारी के लिए एक निश्चित समय और प्रयास हर हाल में देते ही हैं।

ऑनलाइन तैयारी के फायदे

ऑनलाइन पढ़ाई का सबसे बड़ा फायदा यही होता है कि यह उम्मीदवारों में सेल्फ स्टडी को बढ़ावा देती है। कई जानकार मानते हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेल्फ स्टडी ही श्रेष्ठ होती है। इससे परीक्षार्थी अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार तैयारी की रणनीति बनाता है। साथ ही एक फायदा यह है कि इससे हर परीक्षार्थी अपनी ताकत और कमजोरी को अच्छी तरह पहचान पाता है।

जहां तक स्टडी मटेरियल का सवाल है, ऑनलाइन जगत में इसकी कोई कमी नहीं है। यहां आपको कोचिंग इंस्टीट्यूट्स तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया बेहतरीन स्टडी मटेरियल मिल जाएगा। यही नहीं, यह मटेरियल अलग-अलग फॉर्मेट में उपलब्ध होता है, जिससे परीक्षार्थी के पास अपनी जरूरत के मुताबिक चुनने के लिए विकल्प रहते हैं।

ऑनलाइन तैयारी का एक और फायदा होता है इसका किफायती होना। कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के मुकाबले ऑनलाइन शिक्षा संसाधन कहीं कम दामों पर उपलब्ध होते हैं। कुछ संसाधन तो निशुल्क उपलब्ध होते हैं। यही नहीं, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपके पास यह विकल्प भी होता है कि आप चाहें, तो केवल उतना ही स्टडी मटेरियल, क्वेश्चन पेपर, ऑनलाइन वीडियो आदि खरीदें, जितने की आपको जरूरत है। इस प्रकार भी आपके पैसे की बचत हो सकती है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के नुकसान

कमतर शिक्षण स्तर

कोचिंग इंसटीट्यूट्स की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि इनमें से कई में शिक्षण का स्तर कमतर होता है। कई कोचिंग संस्थान ऐसे लोगों को अपने यहां पढ़ाने के लिए रख लेते हैं, जो स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पाए। ऐसे लोगों के पास भले ही प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी जानकारी और अनुभव हो पर यह कतई जरूरी नहीं कि वे अच्छे शिक्षक भी होंगे। सही टीचिंग तकनीक भी जरूरी होती है।

स्टडी मटेरियल की गुणवत्ता

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स का स्टडी मटेरियल परीक्षा के पैटर्न के लिहाज से प्रभावी तो होता है मगर अक्सर कोचिंग संस्थान जो मटेरियल प्रदान करते हैं, वह कालातीत (आउटडेटेड) और परंपरावादी होता है। इधर प्रतियोगी परीक्षाएं साल-दर-साल अधिक कठिन होती जा रही हैं और इनके पैटर्न में बार-बार परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में पुराने ट्रैंड के अनुसार तैयार किया गया स्टडी मटेरियल परीक्षार्थियों के किसी काम का नहीं रहता।

व्यक्तिगत ध्यान नहीं

कोचिंग संस्थान तगड़ी फीस तो लेते हैं मगर वे क्लासरूम फॉर्मेट में ही काम करते हैं। एक क्लास में जितने अधक विद्यार्थी हों, संस्थान का उतना ही लाभ होता है। ऐसे में कई संस्थान एक-एक क्लास में ढेरों विद्यार्थियों को ठूंस देते हैं। इस कारण विद्यार्थियों की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना संभव नहीं रहता।

ऑनलाइन तैयारी

ऑनलाइन एजुकेशन कोचिंग की परंपरा के मुकाबले काफी नया है। आज लिखित स्टडी मटेरियल और ऑडियो-वीडियो संसाधन दोनों ही के रूप में विभिन्ना परीक्षाओं की तैयारी के लिए भरपूर सहायता ऑनलाइन उपलब्ध है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन करना पसंद करते हैं।

ऑनलाइन तैयारी के नुकसान

सीमित पहुंच

ऑनलाइन तैयारी की सबसे बड़ी खामी है इसकी सीमित पहुंच। काफी विस्तार के बावजूद आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज हिस्सों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहां है, वहां भी अक्सर नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसे में दूर- दराज के छोटे शहरों व गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए तो यह पढ़ाई का विश्वसनीय स्रोत नहीं हो सकता।

मेंटरशिप का अभाव

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपको बेहतरीन स्टडी मटेरियल तो मिल सकता है लेकिन यहां मेंटरशिप की कमी बहुत खलती है। किसी ट्यूटर की ओर से व्यक्तिगत ध्यान न मिल पाने के कारण उम्मीदवार अक्सर किसी क्लिष्ट कॉन्सेप्ट को लेकर भ्रमित नजर आते हैं। अपने डाउट क्लियर करने के लिए उनके पास कोई नहीं होता। ऑनलाइन तैयारी में आपको अनुभवी ट्यूटर्स के अनुभव का लाभ नहीं मिल पाता।

जानकारी की बाढ़

इंटरनेट पर दुनिया भर का ज्ञान उपलब्ध है मगर कभी-कभी इसकी यही खासियत इसकी खामी बन जाती है। जब आप यहां कोई खास जानकारी तलाशते हैं, तो आपके पास जरूरी के साथ-साथ बहुत-सी गैर-जरूरी जानकारी की बाढ़ आ जाती है। जानकारी की यह अति परीक्षा की तैयारी में बाधा ही डालती है, जबकि आपको फोकस्ड पढ़ाई करने की जरूरत होती है।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स कॅरियर ग्रोथ के साथ मिलेगा लाखों का पैकेज

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाख तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

स्वीप गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने दिए निर्देश, जिला स्वीप कोर समिति की बैठक

मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी करें मतदान : कलेक्टर

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 04 अप्रैल 2024 को जिला स्वीप कोर समिति की बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में संपन्न हुई। कलेक्टर ने लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित करने के निर्देश समिति के सदस्यों को दिए।

कलेक्टर ने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ''स्वीप'' का लोकतंत्र में विशेष महत्व है, स्वीप के तहत विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियां बड़े स्तर पर आयोजित किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग, संस्थान और सामाजिक संगठन मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाकर प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष सेल्फी बूथ बनाने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग, एनआरएलएम, नेहरू युवा केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई को स्वीप के वृहद कार्यक्रम आयोजित करने कहा। पेट्रोल पंप पर मतदाता जागरूकता संदेश बनाने कहा। सीएमएचओ को स्वास्थ्य विभाग की पर्ची में मतदाता जागरूकता संदेश व स्वीप के तहत रेडक्रास के माध्यम से बल्ड डोनेशन कैम्प आयोजित करने के साथ ही मितानिनों व स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से स्वीप कार्यक्रम के निर्देश दिए। इसके अलावा होर्डिंग्स, डिस्प्ले बोर्ड, बाईक रैली, नुक्कड़ नाटक और प्रभात फेरी में भी स्वीप गतिविधियां का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार के लिए सभी विभागों को निर्देशित किया गया ।

बैठक में विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से कलेक्टर ने स्वीप अभियान में अपनी सहभागिता की अपील की। उन्होंने की खरीदारी करने पर दिए जाने वाले बिल में मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेश दिए जाए। औद्योगिक संस्थानों एनटीपीसी, एसईसीएल द्वारा भी स्वीप कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता की बात कही गई। साथ ही रेलवे स्टेशनों में भी मतदाता जागरूकता के संदेश का प्रचार किया जाएगा।

जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के नोडल अधिकारी श्री आरपी चौहान ने सभी विभाग प्रमुखों से स्वीप गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली और सदस्यों से सुझाव भी लिए। उन्होंने स्कूलों और कॉलेज में नारा लेखन, रंगोली, वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से स्वीप की गतिविधियां करने कहा। नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में स्वीप रथ के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वीप कोर समिति के सदस्य मौजूद थे।

स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत नव वधुओं एवं नव मतदाता बालिकाओं का किया गया सम्मान

राजीव वर्मा

एमसीबी-भारत भास्कर-- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री डी.राहुल वेंकट ने समस्त विभागों को स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिये है। इसी के परिपालन में महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक श्रीमती शिल्पा अग्रवाल के द्वारा मनेंद्रगढ़ शहरी परियोजना में उपस्थित मतदाताओं को अपने मत का सही प्रयोग करने एवे देश के नागरिक होने का अपना दायित्व निभाने का संदेश दिया गया। उपस्थित नवविवाहित महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है और ये बालिकाएं पहली बार अपने मत का प्रयोग करेंगे। ऐसे सभी मतदाताओं को श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इसके पश्चात् मतदाता जागरूकता के लिए प्रभात फेरी तथा रैली का आयोजन किया गया। जिसमें शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को अपने मत का प्रयोग करने एवं 7 मई 2024 को मतदान करने अवश्य जाये का संदेश दिया गया। नव विवाहित जोड़ों को वोटर हेल्पलाइन एप की विस्तृत जानकारी देते हुए आगामी चुनाव में मतदान करने के लिए प्रेरित भी किया गया। कार्यक्रम में मनेंद्रगढ़ शहरी सेक्टर के सभी कार्यकर्ताएं उपस्थित रही।

मारवाड़ी युवा मंच को मिले राष्ट्रीय व प्रांतीय पुरस्कार

यश अग्रवाल को श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष का अवार्ड

जिले की चार शाखाएं हुई सम्मानित

प्रवेश गोयल/। सूरजपुर। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की प्रांतीय सभा रायपुर में राष्ट्रीय व प्रांतीय अध्यक्ष के द्वारा जिले की सूरजपुर, सूरजपुर संस्कृति, बिश्रामपुर व भैयाथान शाखा को वर्षभर के किए गए कार्यों को लेकर अनेक राष्ट्रीय व प्रांतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस दौरान राष्ट्र व प्रांत से प्राप्त पुरस्कारों को चारों शाखाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के निवास पर समारोह आयोजित कर राष्ट्रीय सहायक मंत्री डॉ.अंशुल गोयल व मंडली उपाध्यक्ष प्रशांत गोयल तथा प्रदेश सहायक मंत्री सावन अग्रवाल की उपस्थिति में पुरस्कार शाखाओं को प्रदान किए गए। जिसमें राष्ट्रीय व प्रांतीय अग्रीम शुल्क का पुरस्कार चारों शाखाओं को मिला। वहीं सूरजपुर, सूरजपुर संस्कृति, बिश्रामपुर व भैयाथान को प्रांत की विशिष्ट शाखा के साथ सूरजपुर को राष्ट्र की विशिष्ट शाखा का पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रदेश के सर्वोत्तम कार्य पुरस्कार में सूरजपुर शाखा को सहयोग पत्र कार्यक्रम हेतु तथा सूरजपुर संस्कृति शाखा को शिक्षक दिवस के बेहतर व शानदार आयोजन के लिए अवार्ड दिया गया। इसके साथ ही पूरे प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ कोषाध्यक्ष के रूप में सूरजपुर शाखा के यश अग्रवाल को प्रदेश में सम्मानित किया गया। पुरस्कार के वितरण के दौरान सूरजपुर शाखा अध्यक्ष सुमित मित्तल, बिश्रामपुर शाखा अध्यक्ष हर्ष दनौदिया, संस्कृति शाखा अध्यक्ष ललीता अग्रवाल के साथ पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, आयुष गर्ग, रौनक जैन, मुकुल मित्तल, संस्कार अग्रवाल, विकास जैन, यश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, ममता अग्रवाल, सविता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, सोमिल अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, शशि अग्रवाल, अभिषेक गोयल सहित चारों शाखाओं के पदाधिकारी व युवा साथी उपस्थित थे।

जिले के पेट्रोल पम्पों पर लगा मतदाता जागरूकता के होर्डिंग्स

राजीव वर्मा

एमसीबी-भारत भास्कर-- संपूर्ण भारत लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के तारीखों का ऐलान के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है। छत्तीसगढ़ में भी तीन चरणों में मतदान होना है। खाद्य विभाग के द्वारा मतदाता जारूकता स्वीप कार्यक्रम के तहत जिले समस्त पेट्रोल पम्पों में मतदाता जागरूकता के संदेशों को होर्डिंग के माध्यम से लगाया गया है। जिले के मेसर्स एम.एन.राय एण्ड संस चिरमिरी, सिंह ट्रांसपोर्ट चिरमिरी, मेसर्स जायसवाल पेट्रोलियम रतनपुर, श्री राम फ्यूल्स, मेसर्स जगतरनण फ्यूल्स, मेसर्स विविध सर्विस स्टेशन, विनय फ्यूल्स केल्हारी, अनीता फ्यूल्स तथा महामाया पेट्रो पाइंट पर वोट करेंगे तभी तो बढ़ेंगे स्लोगन वाले होर्डिंग बोर्ड लगाये गये है। जिससे पेट्रोल पंप में आने ग्राहक होर्डिंग्स को देखकर प्रेरित हो सके।

डी.ए.व्ही. पब्लिक स्कूल कक्षा चौथी की छात्र शिवांगी कर ने सबसे ज्यादा नंबरों से टॉप करते हुए 100 % अंक प्राप्त किए

परिजनों में खुशी की लहर व्याप्त

राजीव वर्मा/ एमसीबी-भारत भास्कर-नगर पालिक निगम चिरमिरी शहर में निवासरत गोपाल कर जिनकी बेटी शिवांगी कर जो कि वर्तमान में डी.ए.व्ही. पब्लिक स्कूल बरतुंगा चिरमिरी से अपनी शिक्षा ग्रहण कर रही हैं, और जिसके सफ्लता को देखते हुए शिवांगी कर के माता पिता खुशी में झूम उठे हैं और फूले नहीं समा रहे हैं,उन्होंने बताया कि शहर के जाने माने सबसे बेहतरीन स्कूल जैसे अच्छे शिक्षा के संस्थान में वे अपनी बेटी का दाखिला कर उसके उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह की कोई कमी नहीं करते हैं, उसी तरह उनकी बच्ची भी माता पिता के संघर्षों को ध्यान में रख कर दिन रात कड़ी मेहनत करती है और जिसका प्रमाण उन्हें इस रेज़ल्ट के रूप में देखने को मिला है, उन्होंने बताया कि स्कूल के शिक्षकों ने भी इस पर ध्यान दिया है और इसकी सफ्लता के लिए सभी ने बच्ची की प्रशंसा की है और उज्जवल भविष्य की कामना भी की है, आस पास के लोगों के ज़ुबान पर शिवांगी के सफ्लता की कहानी को देखते हुए शिवांगी के माता पिता और परिवारजनों में हर्षोल्लास सा माहौल बन गया है।

समय बदल रहा है, और शिक्षा का स्तर भी और जो कि पहले से और भी ज़्यादा बेहतर होता नज़र आ रहा है, ऐसा हम इसलिए कह सकते हैं क्योंकि समय के साथ ही साथ समाज का रंग भी बदल रहा है और बच्चों को ले कर माता पिता की सोच भी, जहां हर माता-पिता की यह सर्वप्रथम इच्छा होती है अपने बच्चों के लिए कि ज़िंदगी में जिन तकलीफों का सामना कर वो वर्तमान समय में आज जहां खड़े हैं, माता पिता अपने बच्चों को उससे भी कई ज़्यादा उपर ऊंचाइयों को छूता देखना चाहते हैं, जिन बुलंदियों को माता पिता हासिल ना कर सके, वो अक्सर ऐसे सपने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए देखते और संजोते हैं जिन सपनों में उनके बच्चे सफ्लताओं के आसमां में अपना नाम लिख दें, जिसके लिए माता पिता अपने बच्चों के शिक्षा को ले कर कोई समझौता नहीं करते ना ही कोई कमी करते हैं, और जब अभिभावकों को परिणामस्वरूप एक कीमती तोहफे की तरह उनके बच्चे अपने माता पिता के हाथों अपने कड़ी मेहनत संघर्ष और सफ्लता का प्रमाण सौंपते हैं, उससे बड़ी खुशी माता पिता के लिए शायद ही कुछ और होती होगी, जहां माता पिता का सर अपने बच्चों के कड़ी मेहनत और सफ्लता को देखते हुए गर्व से उंचा हो जाता होगा,

भाजपा मंडल नरहरपुर की बैठक आहूत

अशोक जैन/कांकेर। - लोकतंत्र के महा पर्व लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टीयाँ अपने अपने स्तर पर चुनावी मैदान में उतर चूकी है वही भाजपा पूर्व के विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से उत्साहित है वही लोकसभा चुनाव में भी इसी उत्साह के साथ जीत दर्ज कराने कमर कस चुकी है इसी चुनावी तैयारी को लेकर भाजपा मंडल नरहरपुर की महत्वपूर्ण बैठक आज पेंशनर भवन नरहरपुर में आयोजित किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से मंडल प्रभारी हीरा मरकाम ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को पुरी तन्मयता से कार्य कर भाजपा को जिताने व देश में पुन: मोदी जी की सरकार बनाने का आह्वान किया इसी कड़ी में वरिष्ठ भाजपा नेता अनिरुद्ध साहू ने उद्बोधन में कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर जन जन तक जाने व डबल इंजन की सरकार बनाने की बात कही उद्बोधन में मंडल अध्यक्ष मुकेश संचेती ने कहा कि पुरे देश में भाजपा के पक्ष में माहौल है और हमें अबकी बार चार सौ पार व फि्र इस बार मोदी सरकार के लक्ष्य को लेकर जनता के बीच जाना है तथा देश के लोकप्रिय नेता आदरणीय नरेंद्र मोदी जी की गारंटी व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के सुशासन व केंद्र तथा राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुँचाना है तथा कांकेर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय प्रत्याशी श्री भोजराज नाग जी को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने जनमानस से आग्रह करना है साथ ही छै अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस को भाजपा मंडल नरहरपुर के सभी बूथों पर पुरे उत्साह के साथ मनाना है इस बैठक में पूर्व ज़िला पंचायत सदस्य संजय जूरी ने भी सभी को इस चुनावी समर में कमर कस उतरने व लोकसभा प्रत्याशी श्री भोजराज नाग जी को जिताने आह्वान किया वही महामंत्री संतोष भास्कर ने 9 अप्रैल को प्रत्याशी भोजराज नाग जी के नरहरपुर मंडल आगमन की तैयारी की जानकारी दी इस बैठक में प्रमुख रूप से मंडल महामंत्री धनेश कौशिक उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण साहू मंत्री हेमंत कौशिक उपाध्यक्ष पुष्पा मंडावी लेखराम साहू कोषाध्यक्ष अघन मरकाम महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आशा रावटे महामंत्री मनोरमा साहू लीला सिन्हा लता जैन थनेशवर साहू द्रिका सोनी किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष कोमल नेवला नरेंद्र नाग आसकरण धुव अखिलेद नेताम सह कोषाध्यक्ष हेमंत साहू नितेश मगेन्द्र जसराज चोपड़ा पुष्कर सिन्हा राजेश नाग दीपक यादव रूखमणी सिनहा गोविंद जैन नंद कुमार सिन्हा सरादू यादव राजकुमार नेताम मधूदीप साहू सहदेव टांडीया सहीत मंडल पदाधिकारी शक्ति केंद्र प्रभारी बूथ समिति व बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे!

सार-समाचार

श्रमिकों एवं निजी कर्मचारियों को मतदान का उपयोग करने 7 मई को सवैतनिक अवकाश

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 04 अप्रैल 2024 को लोकसभा चुनाव के तहत मतदान के लिए 7 मई को निजी प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए अवकाश रहेगा। इस दिन का वेतन भी उन्हें अपने मालिक द्वारा दिया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर श्रम विभाग, छग शासन ने इस आशय के आदेश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर सहित सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चाम्पा, कोरबा, दुर्ग और रायपुर लोकसभा क्षेत्र में तीसरे चरण के अंतर्गत 7 मई को मतदान होगा। सहायक श्रम आयुक्त आरके प्रधान ने बताया कि इस दिन जिले में स्थित समस्त कारखानों, दुकानों एवं समाचार पत्र संस्थानों में इस दिन अवकाश रहेगा। कारखाना अधिनियम 1948 एवं छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1953 के अंतर्गत श्रम विभाग द्वारा इस दिन को अवकाश घोषित किया गया है। इसके साथ ही ऐसे कारखानें जो सप्ताह में सातों दिन कार्य करते हैं, वहां प्रथम एवं द्वितीय पाली के श्रमिकों को मतदान के लिए दो-दो घण्टे का अवकाश तथा जो कारखाने निरंतर प्रक्रिया के अंतर्गत आते हैं, उनमें काम करने वाले श्रमिकों को बारी-बारी से मतदान करने की सुविधा दी जायेगी। यदि मतदान तिथि को पड़ोसी राज्य के मतदाता जो छत्तीसगढ़ में काम करते हैं, उन्हें भी अपने गृह राज्य के मतदान दिवस के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जायेगा।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का निरीक्षण

प्रवेश गोयल/ सुरजपुर। छ.ग.कोषालय संहिता के सहायक नियम 39 में निहित प्रावधानों के तहत आज कलेक्टर श्री रोहित व्यास द्वारा जिला कोषालय सूरजपुर के स्ट्रांग रूम में रखे अदालती मुद्रांक, गैर अदालती मुद्रांक, कोर्ट फी कॉपिंग टिकट, नोटेरियल टिकट, रेवेन्यू टिकट, स्पेशल अधेसिव्ह स्टाम्प तथा बहुमूल्य सामाग्रियों के पैकेट्स का बारीकी से निरीक्षण कर पैकेट्स का सत्यापन कोषालय में संधारित पंजियों से किया गया। निरीक्षण के दौरान विभागीय कार्य प्रणाली के संबध में कलेक्टर द्वारा जिला कोषालय अधिकारी श्री अनिल कुमार बारी से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये, इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए भी निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री समीर शर्मा तहसीलदार एवं कोषालयीन अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

लोकसभा निर्वाचन 2024 : स्वीप कार्यक्रम, 80 हजार से ज्यादा श्रमिकों ने ली मतदाता शपथ

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 04 अप्रैल 2024 को लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मतदाता अपने मताधिकार का शत प्रतिशत उपयोग करें इस उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत कोटा के 103 ग्राम पंचायतों में भी स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 22 हजार से ज्यादा मनरेगा में कार्य करने वाले श्रमिकों सहित जिले के कुल 80 हजार श्रमिकों ने मतदाता शपथ ली। श्रमिकों का उत्साह देखते बन रहा था। श्रमिकों ने शपथ ली कि लोकतंत्र में अपनी आस्था रखते हुए इस महापर्व में बढ़-चढकर हिस्सा लेंगे। श्रमिकों ने सभी से अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिलासपुर जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

किड्स कैंपस पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर प्रफुल्ल पोलाई को गृहमंत्री अरुण साव ने किया सम्मानित

राजीव वर्मा/ एमसीबी-भारत भास्कर- शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु किड्स कैंपस पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर प्रफुल्ल पोलाई को गृहमंत्री अरुण साव के द्वारा सम्मानित किया गया होटल बेबीलान रायपुर मे जी छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया था बता दें कि राज्य स्तरीय स्वच्छता स्कूल लिए पिछले 2 वर्षों से किड्स कैंपस पब्लिक स्कूल विजेता रहा हैं विद्यालय से नवोदय विद्यालय एवं सैनिक स्कूल के लिए विद्यार्थी चयनित होते हैं, स्वास्थ के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ डॉक्टरों का निशुल्क चिकित्सा आयोजन किया जाता है इस हेतु जी मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया उत्कृष्ट कार्य हेतु गृहमंत्री अरुण साव ने सम्मानित किया

भारतीय अर्थव्यवस्था लम्बी छलांग लगाने को तैयार

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही (अक्टोबर-दिसम्बर 2023) में भारत में आर्थिक विकास की दर 8.4 प्रतिशत रही है। कुछ विदेशी अर्थशास्त्री भारत की आर्थिक विकास दर को कमतर आंकते हुए दिखाई दे रहे हैं जबकि यह लगातार तिमाही दर तिमाही आगे बढ़ती ही जा रही है। अब तो विश्व की कई आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बेहतर किया है, परंतु अभी भी इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं। दरअसल, विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आंके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोथरे साबित हो रहे हैं। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में ꖦस्वꖦ का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। उदाहरण के लिए अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। परंतु, यह तथ्य विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों को दिखाई नहीं दे रहा है, जो कि केवल भारत की ही विशेषता है।

उक्त तथ्यों के अतिरिक्त अन्य कई कारक भी भारत की आर्थिक विकास दर को अब 9 से 10 प्रतिशत की सीमा में ले जाने को तैयार दिखाई दे रहे हैं। आज भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत से आगे चल रही विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में ठहराव आ गया है। जैसे अमेरिका एवं यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं आगे आने वाले समय में प्रतिवर्ष केवल 2 अथवा 3 प्रतिशत की दर से ही आगे बढ़ पाएंगी। इसी प्रकार चीन की अर्थव्यवस्था भी अब ढलान पर दिखाई दे रही है। जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में तो आर्थिक मंदी देखी जा रही है। इस प्रकार विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के अमृत काल में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही तेज गति आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। वैसे भी भारत में अमृत काल तो अभी शुरू ही हुआ है एवं यह अगले 23 वर्षों अर्थात वर्ष 2047 तक यह खंडकाल जारी रहेगा। कुछ अर्थशास्त्री तो भारत के अमृत काल के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी तरह तेज गति से आगे बढ़ते रहने की संभावनाएं व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि भारत में वर्ष 1991-92 में प्रारम्भ किए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र के सुधार कार्यक्रम को अब 32 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, हालांकि वर्ष 1991-92 के बाद भी भारत में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लगातार जारी रहे हैं। अत: स्थिर हो चुके इन सुधार कार्यक्रमों के फल खाने का समय अब आ गया है।

भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, पिछले 77 वर्षों के दौरान भारत में लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है एवं आज पूरे विश्व में भारत इस दृष्टि से प्रथम पायदान पर खड़ा है। भारत में लोकतंत्र के लगातार मजबूत होते जाने से विदेशी निवेशकों का भारत में विश्वास बढ़ा है जिसके चलते भारत में उद्योग जगत को पूंजी की कमी नहीं के बराबर रही है। पर्याप्त पूंजी की उपलब्धता के चलते भारत में आर्थिक विकास को गति ही मिली है। भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर के कारण भारत में बिलिनियर (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति वाले नागरिक) की संख्या में सुधार हुआ है। पिछले वर्ष भारत में 94 नए बिलिनियर बने हैं। जबकि चीन में 115 बिलिनियर कम हुए हैं। विश्व में बिलिनियर की संख्या के मामले में भारत चीन एवं अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत में आज 271 बिलिनियर हैं जबकि चीन में 814 एवं अमेरिका में 800 बिलिनियर हैं। मुंबई महानगर में तो अब 92 बिलिनियर निवास कर रहे हैं, जो चीन के बीजिंग महानगर के 91 बिलिनियर से अधिक है। इस प्रकार अब एशिया के किसी भी महानगर में सबसे अधिक बिलिनियर भारत के मुंबई महानगर में निवास कर रहे हैं। पूरे विश्व भारत के मुंबई महानगर से आगे अब केवल अमेरिका का न्यूयॉर्क महानगर (119 बिलिनियर) एवं ब्रिटेन का लंदन महानगर (97 बिलिनियर) ही है। वर्ष 2022-23 में चीन में बिलिनियर की संख्या घटी है। चीन में बिलिनियर की सम्पत्ति 15 प्रतिशत से कम हुई है। जबकि भारत में बिलिनियर की सम्पत्ति में वृद्धि दर्ज हुई है। यह भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास दर के चलते सम्भव हो सका है। एक और कारक जो आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने में सहायक हो सकता है वह है भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय का लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर का होना है जो चीन में 13,000 से 14,000 अमेरिकी डॉलर के एवं दक्षिणी कोरीया में 32,000 से 33,000 अमेरिकी डॉलर के बीच की तुलना में बहुत कम है। इस दृष्टि से भारत को अभी बहुत आगे तक जाना है और यह केवल आर्थिक विकास की औसत दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के आसपास बनाए रखने से ही सम्भव होगा। इस प्रकार भारतीय नागरिकों में अपनी औसत आय को विकसित देशों की तुलना में बेहतर करने की अभी बहुत गुंजाइश है और यह भावना भारत की आर्थिक विकास दर को बढ़ाए रखने में सहायक होगी। दूसरे, भारत में तकनीकी क्षेत्र विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास की दर बहुत प्रभावकारी है, डिजिटल क्षेत्र में तो भारत आज पूरे विश्व को ही राह दिखाता नजर आ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास के चलते भारत में विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों, व्यवसाइयों, प्रबंधकों, कृषकों आदि की उत्पादकता में भी सुधार दृष्टिगोचर है जो निश्चित ही भारत में आर्थिक विकास की गति को तेज करने में सहायक होगा। आज अमेरिका एवं कनाडा में निवासरत एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे भारतीय मूल के नागरिक वापिस भारत आकर बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं क्योंकि अब अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर उन्हें आकर्षित कर रही है। उन्हें आज भारत में अधिक आय अर्जन के अतिरिक्त साधन उत्पन्न होते दिखाई दे रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार, लगभग 38,000 भारतीय जो अमेरिका में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत हैं वे अब भारत वापिस आना चाहते हैं क्योंकि अमेरिका में कई कम्पनियां (गूगल, एमेजोन, माइक्रोसोफ्ट एवं मेटा सहित) अपने कर्मचारियों की छंटनी करती दिखाई दे रही हैं। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था तो स्पष्टत: आर्थिक मंदी की चपेट में आ चुकी है। जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अक्टोबर-दिसम्बर 2023 की तिमाही में 8.4 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। कई विदेशी वित्तीय संस्थानों ने वर्ष 2024 में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को आगे बढ़ा दिया है।

अब तो भारत में, ग्रामीण इलाकों सहित, विभिन्न उत्पादों के खपत का स्तर भी लगातार बढ़ रहा है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा विकास कार्यों के लिए अपने बजट में खर्च को लगातार बढ़ाया जा रहा है जिससे सामान्य नागरिकों के हाथों में अधिक पैसा पहुंच रहा है तथा इससे नागरिकों के बीच विभिन्न उत्पादों के खपत का स्तर बढ़ता दिखाई दे रहा है। शहरी उपभोक्ता तो रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के साथ साथ चार पहिया वाहन एवं मकान आदि खरीदने पर भी भारी मात्रा में पैसा खर्च कर रहे हैं। घरेलू खपत में बढ़ौतरी के साथ ही भारत से निर्यात में भी तेजी देखी जा रही है। फरवरी 2024 माह में निर्यात का स्तर पिछले 11 माह में सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार का अनुमान है कि भारत वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्यात के क्षेत्र में अपने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ देगा। मोर्गन स्टैनली के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर यह है कि भारत में निवेश : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में एक बार फिर सुधार दिखाई दे रहा है। यह अनुपात आज 34 प्रतिशत तक पहुंच गया है और उम्मीद की जा रही है वित्तीय वर्ष 2027 तक यह बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। जिससे भारत की आर्थिक विकास दर को और अधिक बल मिलेगा। हां, भारत में एक क्षेत्र अभी भी ऐसा है जिसके लिए चिंता होना स्वाभाविक है। वह क्षेत्र है आय की असमानता का। भारत की 10 प्रतिशत आबादी के पास देश की 77 प्रतिशत सम्पत्ति जमा हो गई है। एक रिसर्च पेपर में यह बताया गया है कि भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ आर्थिक असमानता भी बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत तक भारत की एक प्रतिशत आबादी की देश की कुल आय एवं सम्पत्ति में 22.6 प्रतिशत एवं 40.1 प्रतिशत की भागीदारी रही है। आय की असमानता को देश में आर्थिक विकास को गति देकर ही दूर किया जा सकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे हैं।

रिजर्व बैंक के लिए आगे की राह

सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 90वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही कहा कि बैंक ने देश को विकास के मार्ग पर आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाई है। दीर्घावधि की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए वित्तीय स्थिरता एक अनिवार्य शर्त है। इस समय रिजर्व बैंक इस महत्त्वपूर्ण पड़ाव का जश्न मना रहा है और यह उचित अवसर है कि संस्थान न केवल अपनी अतीत की उपलब्धियों को सामने रखे बल्कि भविष्य के लिए अपनी योजनाएं भी प्रस्तुत करे। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि वृहद आर्थिक स्थिति और नियामकीय चुनौतियों में निरंतर बदलाव आ रहा है।

साफ कहें तो केंद्रीय बैंक बीते दशकों में अपने दायित्वों और कार्यों के साथ निरंतर विकसित हुआ है। समय-समय पर मतभेद के बावजूद सरकार ने इस सफर में रिजर्व बैंक को विधिक और सांस्थानिक सहायता मुहैया कराई है। इन बातों का यह आशय कतई नहीं है कि भारत की व्यवस्थाएं पूरी तरह खामी रहित हैं लेकिन बीते वर्षों में जो विकास हुआ है वह भी सकारात्मक दिशा में है। हाल के वर्षों के सबसे अहम घटनाक्रम में एक रहा है आरबीआई अधिनियम में संशोधन करना ताकि उसे मुद्रास्फीति को लक्षित करने वाले केंद्रीय बैंक में बदला जा सके। विभिन्न धड़ों के विरोध के बावजूद सरकार मौद्रिक नीति ढांचे को मजबूत बनाने के विचार पर सहमत है। इस बात ने मौद्रिक नीति के संचालन को अधिक पारदर्शी बनाया है और निवेशकों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की है। हाल के समय में कुछ भ्रम की स्थिति बनने पर रिजर्व बैंक ने यह दोहरा कर सही किया कि वह मुद्रास्फीति को लक्षित करने के विधिक अधिदेश का पालन करेगा। इसके अलावा वृहद आर्थिक स्थिरता में सुधार की एक वजह रिजर्व बैंक द्वारा बाह्य क्षेत्र का कुशल प्रबंधन भी है। उसने अवसरों का लाभ लेकर बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार खड़ा किया जिसने मौद्रिक अस्थिरता को समाप्त किया।

रिजर्व बैंक ने वृहद आर्थिक प्रबंधन को लेकर हाल के वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया है। बहरहाल, बैंकिंग नियमन और निगरानी में सुधार की गुंजाइश है। यह अच्छी बात है कि बैंकिंग क्षेत्र में फंसे हुए कर्ज में कमी आई है तथा इस समय यह क्षेत्र तकरीबन एक दशक में सबसे बेहतर स्थिति में है। परंतु यह तथ्य बरकरार है कि बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय संकट के पहले और बाद में रिजर्व बैंक की निगरानी में अतियों की स्थिति बनी। हालांकि यह सही है कि रिजर्व बैंक के पास सरकारी बैंकों के नियमन के मामले में सीमित शक्ति है। इसे जरूरी कानूनी बदलावों की मदद से हल करने की आवश्यकता है। हाल ही में येस बैंक और इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग ऐंड फाइनैंशियल ओवरसाइट सर्विसेज लिमिटेड जैसे दो उदाहरण बताते हैं कि हमें अपनी निगरानी व्यवस्था में सुधार करने की जरूरत है।

बेटियों को भी मिले उचित सम्मान, उन्हें न समझा जाए बोझ

रमेश सर्राफ धमोरा

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियाँ अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। बालिकाओं का कोख में तो कत्ल कर उन्हे धरती पर आने से पहले ही मारा जा रहा है। उससे भी घिनोना काम जिन्दा बालिकाओं के साथ किया जा रहा है। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। बालिकाओं पर अत्याचार करने वालों के मन में भय व्याप्त करने के लिये सरकार को कानून में और अधिक सुधार करना चाहिये। बालिकाओं को कई प्रकार के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। एक शिक्षित लड़की ही अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती है। कानूनी सुरक्षा बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लड़कियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए भी उतना ही आवश्यक है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें। हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मां, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है। उन्हें कम से कम सुविधाओं, अधिकारों और उन्नति के अवसरों में रखा जाता रहा है, इसी कारण महिलाओं की परिस्थिति अत्यन्त निचले स्तर पर है।

संपादकीय

विपक्षी इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में रैली की सफलता

नेताओं के जुटान के नजरिए से देखा जाए तो विपक्षी इंडिया गठबंधन की दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली एक सफल रैली थी। इसने अपने अंतर्विरोधों के साथ और उसके बावजूद भी एकजुटता जाहिर की है, जिससे यह संदेश गया है कि इंडिया में एनडीए को चुनौती देने का दम-खम है। भ्रष्टाचार के कथित मामले में जांच एजेंसियों की 'एकपक्षीय' सक्रियता से भी उनके नेताओं के चुनावी जोश में कोई फर्क नहीं पड़ा है। इंडिया के 27-28 दलों की मंच पर कतारबद्ध मौजूदगी इसे प्रामाणिक बनाती है। तभी तो रैली में रखे कांग्रेस के पांच न्यायों में से एक 'चुनाव के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों का आर्थिक रूप से गला घोंटने की जबरन कार्रवाई को तुरंत बंद करने की आयोग से मांग' पर कदम उठाया गया है। आयकर विभाग ने जुलाई तक उसके खाते पर किसी कार्रवाई से इनकार कर दिया है। यह त्वरित सफलता है। इसके अलावा, चुनाव आयोग से आम चुनावों में समान अवसर मुहैया कराने, चुनाव में हेराफेरी करने के उद्देश्य से विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाइयों पर रोक लगवाने, चुनावी चंदे का उपयोग कर भाजपा द्वारा बदले की भावना, जबरन वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी का गठन करने तथा सरकार से हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल की तुरंत रिहाई की मांग उन पांच न्यायों में शामिल है। ये बिंदु विपक्ष के चुनाव प्रचार एवं मुद्दे की एक व्यापक आम समझ जाहिर करते हैं। इन्हीं मुद्दों पर विपक्ष चुनाव में सरकार को घेरेगा। इनके बावजूद, दलगत सिद्धांतों एवं इसी आधार पर सीट शेयरिंग के साथ चुनिंदा नेताओं के व्यक्तित्व को लेकर एक समझ में आ सकने वाली दुविधा से यह रैली अछूती नहीं थी। इसकी आयोजक-संयोजक कही जाने वाली आप इसको अपने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर फोकस करना चाहती थी, जो कांग्रेस के कड़े विरोध के चलते संभव नहीं हुआ। पर आप को इससे कोई फायदा नहीं हुआ, ऐसा भी नहीं है। इस रैली से सुनीता केजरीवाल की सियासत में एक ग्रैंड इंट्री हुई है, जिन्होंने गारंटी के छह मुद्दे रखने के साथ अपने पति को इस्तीफा नहीं दिलाने पर जनस्वीकृति भी ली है। अगर 'संवैधानिक व्यवस्था ध्वस्त होने' या नैतिकता पालन के नाम पर अरविंद केजरीवाल हटे या हटाए गए तो उनकी पत्नी उनकी जगह ले लेंगी। हालांकि इंडिया की इस रैली की उसकी एकजुटता से शासन के वैकल्पिक एजेंडे की उम्मीद थी, जो पूरी नहीं हुई।

विकास और प्रतिष्ठा के आधार पर मतदान की संभावना

डा. रवीन्द्र अरजरिया

चुनावी काल की राजनैतिक सरगर्मियों के मध्य विदेशी ताकतों के व्दारा देश की आन्तरिक व्यवस्था पर टिप्पणियों का दौर प्रारम्भ हो गया है। दुनिया की व्यवस्था की स्वयंभू ठेकेदारी सम्हालने वाले भारत के स्वरूप को अपने ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास करने लगे हैं। स्वाधीनता के बाद की इण्डिया का भारत के रूप में कायाकल्प होते ही अहंकार में डूबे हथियारों के विक्रेताओं के माथे पर बल पडने लगा है। कभी हमारी न्याय व्यवस्था को रेखांकित करने की कोशिशें होतीं हैं तो कभी आरोपियों की वकालत की जाने लगती है। जग जाहिर है कि दुनिया भर के जालसाज-भगोडों का कवच बनने वाले राष्ट्र हमेशा से ही अन्य देशों पर शिकंजा कसने के लिए दबाव बनाकर लाभ का अवसर तलाशते रहते हैं। आतंकवाद को पर्दे के पीछे से सहयोग करके संसार में अस्थिरता पैदा करने वाले हथियारों के निर्यातक देश दूसरों के कन्धों पर बंदूक रखकर गोली चलने में माहिर है। ऐसे षडयंत्रकारी भूभाग वर्तमान में भारत की नीतियों, व्यवस्था और विकास के कारण आन्तरिक रूप से व्यथित हैं। स्वाभिमान के शिखर की ओर अग्रसर होने वाले भारत में आत्मविश्वास का सूर्य चमकने लगा है। देश के साथ वैमनुष्यता रखने वालों के हाथों में कटोरे आते जा रहे हैं। वहां की अभाव भरी जिन्दगियों ने आन्तरिक विद्रोह की राह पकड ली है। चीन की चालों में फंसे कई देशों की कराह निकलने लगी है। वे दिवालिया होने होने की कगार पर पहुंच गये हैं। ऐसे में विश्वगुरु के सिंहासन की ओर बढते भारत के कदमों पर सकारात्मक राष्ट्रों व्दारा पंखुडियां बिछाने, प्रोटोकाल तोडकर वहां के राष्ट्राध्यक्षों व्दारा अगवानी करने तथा सर्वोच्च सम्मान देने से आतंक को संरक्षकों के सीने पर सांप लोटने लगे हैं। मुस्लिम राष्ट्रों में भी साम्प्रदायिक सौहार्द स्थापित करने की दिशा में भारत के साथ कदमताल करने के संकेत दे दिये हैं। वसुधैव कुटुम्ब कम की अवधारणा तले विश्व विरादरी जमा होने लगी है। सर्वे भवन्तु सुखिन‍ के अनुष्ठानिक संकल्प दोहराये जाने लगे हैं। वर्तमान भारतवर्ष का ऊर्जा चक्र विश्व संघर्षों पर पूर्णविराम लगाने लगा है। वर्तमान के लोकसभा के चुनावी काल में ही रूस और यूक्रेन जैसे राष्ट्रों ने एक साथ भारत को आमंत्रित किया है। दौनों पक्षों के विश्वास है कि भारत की पहल पर ही विश्व शान्ति सम्भव है। दूसरों के मामलों में चौधरी बनने के मंसूबे पालने वालों को मुंहतोड जवाब मिलते ही उनके सिपाहसालार मासूसी के दलदल में डूबने लगे हैं। आर्थिक अपराध, सामाजिक अपराध, संवैधानिक अपराध, मानवीय अपराध के पुराधाओं को सलाखों की सौगात मिलते ही उनके संरक्षक बौखला उठे। देश की स्वतंत्र संस्थाओं की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह अंकित करके वे अपने कलेजे को ठंडा करने की कोशिश में हैं। संयुक्त राष्ट्र की पत्रकार वार्ता में भारत के आन्तरिक मुद्दों पर बंगलादेशी पत्रकार से प्रश्न उठवाने वाले एक तीर में दो निशाने करना चाहते थे। अमेरिका, जर्मनी के व्दारा भारत के आन्तरिक मुद्दों पर ज्ञान देने की श्रृंखला को संयुक्त राष्ट्र संघ तक पहुंचने की कोशिश के साथ-साथ भारत-बंगलादेश की दोस्ती को संदेह के दायरे में लाने का लक्ष्य भी शामिल था। आश्चर्य होता है कि बंगलादेशी पत्रकार व्दारा किन्हीं खास कारणों से पूछे गये प्रश्न को हमारे देश के अनेक मीडिया हाउस स्वयं की सुर्खियां बनाने में जुट गये। दूसरों की सोच को समर्थन देने के पीछे की मंशा को देश हित की पहल नहीं कहा जा सकता। संस्थान विशेष का पत्रकार अपने नियुक्तकर्ता के सिध्दान्तों का अनुशरण करता है, उनकी नीतियों के अनुरूप प्रश्न करता है और वहीं प्रकाशित-प्रसारित भी करता है। यदि कोई अन्य संस्थान उसी प्रश्न को उठाता है तो निश्चय ही उसकी सोच भी प्रश्नकर्ता की सोच से सहमत होगी। ऐसे में राष्ट्रहित, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीयता पर ही प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं। इन दिनों हाथों में हरा झंडा थामकर लाल सलाम करने वालों के षडयंत्र उजागर होने लगे हैं जिन्हें दबाने हेतु काले लबादा का सहारा लिया जाने लगा है। दबाव की राजनैतिक चालों से देश के वातावरण में अराजकता फैलाने के प्रयास एक बार फिर तेज कर दिये गये हैं। मीर जाफर को आदर्श मानने वाले स्वयं के हित के लिए देश की अस्मिता को सौदा करने लगे। कभी निर्वाचन आयोग पर सवालिया प्रहार होते हैं तो कभी न्यायपालिका के क्रियाकलापों को संदेह की नजरों से देखा जाता है। शिक्षा के मंदिरों में राजनैतिक अलाव जलाया जाने लगा। शिक्षा माफियों की एक बडी जमात फर्जी अंकसूचियों के आधार पर असामाजिक तत्वों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश दिलाकर वहां के वातावरण को दूषित करने में लगी है। शिक्षा प्रदान करने वाले स्थानों में देश के टुकडे करने की कसमें दिलाई जाने लगीं हैं। राजनीति को पेशा बना चुके घरानों के स्वयंभू सुप्रीमो ऐसे लोगों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खडे हो जाते हैं। आज हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि जातियों के वोटों का ठेका लेने वाले लोग राजनैतिक दलों से सौदेबाजी करने में जुटे हैं। समानता का राग अलापने वाले अब जातिगत विभेद पैदा करने हेतु षडयंत्र करने में जुट गये हैं।

संक्षिप्त समाचार

एसपी चौरसिया की टीम ने जीता चंडीगढ़ ओपन 2024 का प्रो-एम इवेंट

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रोफेशनल एसपी चौरसिया और उनकी टीम ने चंडीगढ़ गोल्फ क्लब द्वारा आयोजित निसान द्वारा प्रस्तुत चंडीगढ़ ओपन 2024 का प्रो-एम इवेंट अपने नाम कर लिया है। चौरसिया की टीम में एसपीएस मठारु, दरवेश कुमार और चितवन मान शामिल थे। जिन्होंनें 54.4 का स्कोर बनाया। पेशेवर अजितेश संधू और उनकी टीम में एम्योच्योर अमन चहल, ब्रिगेडियर केजेएस पुरी, संदीप सिंह तूर थे जो कि 54.5 के स्कोर के साथ उपविजेता रहे। 'क्लोजेस्ट टू दी पिन ऑन होल नं 8' कांटेस्ट कर्नल मनबीर हुंडल ने जीता जिन्होंनें पिन के चार फीट के भीतर गेंद लेंड करवाई। जबकि 'क्लोजेस्ट टू दी पिन ऑन होल नं 11' कॉन्टेस्ट कर्नल एसएस गिल के नाम रहा जिन्होंनें गेंद को पिन के दो फीट और दस इंच के भीतर उतारा। प्रीतिंदर सिंह ने 'स्ट्रेटेस्ट ड्राइव ऑन होल नं 5 का खिताब जीता । उनकी ड्राईव फेयरवे के सेंटर से पांच इंच की दूरी पर गिरी। गुरप्रीत सिंह ने लोगेस्ट ड्राईव ने होल नं 16 का कॉन्टेस्ट जीता। उनकी ड्राइव की दूरी 282 यार्ड थी।

बिंदिया ने विश्वकप में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर की लिफ्टर ने स्नैच में अच्छी शुरुआत नहीं की। उन्होंने यहां 83 किलो की सिर्फ एक लिफ्ट पास की। वह छठे स्थान पर थीं। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 113, 116 की लिफ्ट पास की। रजत जीतने के लिए उन्होंने 119 की लिफ्ट का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं रहीं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर बिंदिया रानी देवी ने ओलंपिक क्वालिफायर विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने मंगलवार को 55 भार वर्ग में कुल 196 किलो वजन उठाकर पदक जीता।

21 साल की उम्र में ही मयंक ने रचा इतिहास

मेरा लक्ष्य देश के लिए खेलना है-मयंक यादव

नईदिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने आरसीबी को 28 रनों से हरा दिया। इस मैच में आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। लखनऊ की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी की टीम को 182 रनों का टारगेट दिया, जिसके जवाब में आरसीबी की टीम सिर्फ 153 रन ही बना पाई। इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मयंक यादव ने कमाल की गेंदबाजी की और वह टीम के लिए हीरो साबित हुए। मैच के बाद उन्होंने फास्ट बॉलिंग करने के कई अहम कारण बताए हैं।

मैच के बाद मयंक यादव ने कहा कि वास्तव में अच्छा लग रहा है, दो मैचों में दो प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार। मुझे इस बात की ज्यादा खुशी है कि हमने दोनों मैच जीते। मेरा लक्ष्य देश के लिए खेलना है।

मुझे लगता है कि ये तो बस शुरुआत है। मैंने कैमरुन ग्रीन के विकेट का सबसे अधिक आनंद लिया। तेज गेंदबाजी करने के कई कारण हैं। आहार, नींद, ट्रेनिंग। मैं अपने आहार और रिकवरी पर बहुत फोकस कर रहा हूं।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने जीता मैच

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ के लिए क्विंटन डि कॉक ने 81 रन और निकोलस पूरन ने 40 रन बनाए। इन प्लेयर्स की वजह से ही लखनऊ की टीम 181 रन बना पाई। इसके बाद मयंक यादव ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए अपने चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया

शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। मयंक यादव आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं। उनसे पहले ऐसा कोई भी नहीं कर पाया था। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया था और प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता अपने नाम किया। इसके बाद आरसीबी के खिलाफ भी उन्होंने ये अवॉर्ड जीत लिया है।

डिकॉक के आईपीएल में 3000 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में लखनऊ के सलामी बल्लेबाज क्विटन डि कॉक ने अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसी पारी के दौरान उन्होंने आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए। 31 साल के डि कॉक ने 2013 में सनराइडर्स हैदराबाद के लिए लीग में डेब्यू किया था। वह दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस का भी हिस्सा रह चुके हैं।

डिकॉक आईपीएल में सबसे तेज 3000 रन पूरा करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। हम आज आपको टॉप-5 की लिस्ट बताते हैं।

वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के आईपीएल में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सिर्फ 75 पारियों में यह कारनामा किया था। गेल ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए डेब्यू किया था। फिर वह आरसीबी और पंजाब किंग्स के लिए भी खेले।

केएल राहुल लीग में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। राहुल ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपने करियर की शुरुआत की थी। वहां प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। लेकिन आरसीबी में आने के बाद से वह अलग बल्लेबाज बनकर सामने आए। वह लीग में ऑरेंज कैप भी जीत चुके हैं।

जोस बलटर ने आईपीएल से भी ओपनिंग शुरू की थी। तब से इस फॉर्मेट के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज बनकर सामने आए हैं। पहले मुंबई इंडियंस और फिर राजस्थान रॉयल्स के लिए उन्होंने कमाल का क्रिकेट खेला। बटलर ने 85 पारियों में 3000 आईपीएल रन पूरे किए थे।

डेविड वॉर्नर आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेश बल्लेबाज हैं। वॉर्नर अपनी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल का खिताब जीता चुके वॉर्नर ने 94 पारी में अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किए थे। वॉर्नर अभी दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं।

फाफ डु प्लेसिस ने भी 94 पारियों में ही 3000 रन पूरे किए थे। अभी आरसीबी की कप्तानी कर रहे फाफ ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू किया था। वह राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेल चुके हैं। अभी तक 126 आईपीएल पारी में वह 4179 रन बना चुके हैं।

कोहली का दोहरा शतक पूरा, पराग से छीनी ऑरेंज कैप

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 17वें सीजन में विराट कोहली ने सबसे पहले रनों के मामले में दोहरा शतक पूरा किया है। वे आईपीएल 2024 में सबसे पहले 200 रनों का आंकड़ा पार करने वाले बल्लेबाज बने हैं और इस तरह फिर से ऑरेंज कैप उनके सिर पर सज गई है। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग को उन्होंने पीछे छोड़ दिया है। टॉप 5 में निकोलस पूरन और क्विंटन डिकॉक ने एंट्री कर ली है। वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स के नई पेस सनसनी यानी मयंक यादव ने पर्पल कैप की रेस में धमाकेदार एंट्री मारी है।

व्यापार

एफवाय25 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी देश की इकोनॉमी, वर्ल्ड बैंक का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में देश की इकोनॉमी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह अनुमान वर्ल्ड बैंक ने लगाया है। चालू वित्त वर्ष के लिए यह अनुमान वर्ल्ड बैंक के पिछले अनुमान से थोड़ा अधिक है। वर्ल्ड बैंक ने कहा-वित्त वर्ष 2024/25 में विकास दर धीमी होकर 6.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है, बाद के वर्षों में इसमें तेजी आएगी। वहीं, वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की विकास दर 7.5 प्रतिशत आंकी है, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा अनुमानित 7.6 प्रतिशत से थोड़ा कम है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि भारत में सर्विसेज और इंडस्ट्री में वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद है। इसके तहत मजबूत निर्माण और रियल एस्टेट गतिविधि से सहायता मिलेगी, जबकि मुद्रास्फीति का दबाव कम होने की उम्मीद है, जिससे वित्तीय स्थितियों को आसान बनाने के लिए अधिक नीतिगत गुंजाइश बनेगी। हालांकि, रिपोर्ट में बताया गया है कि निकट अवधि में भारत की विकास गति सार्वजनिक क्षेत्र पर निर्भर है। इसके मुताबिक बढ़े हुए कर्ज, उधार लेने की लागत और राजकोषीय घाटे पर लगाम लगाने के प्रयास अंततः विकास पर असर डाल सकते हैं। इसके साथ ही वर्ल्ड बैंक ने रिपोर्ट में कहा कि एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर पिछले साल के 5.1 प्रतिशत की तुलना में धीमी पड़कर वर्ष 2024 में 4.5 प्रतिशत ही रहने का अनुमान है। एशियाई देशों की अर्थव्यवस्थाएं इस साल उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं जितना वे कर सकती थीं। रिपोर्ट कहती है कि कर्ज, व्यापार बाधाएं और नीतिगत अनिश्चितताएं इस क्षेत्र की आर्थिक गतिशीलता को कमजोर कर रही हैं और सरकारों को कमजोर सामाजिक सुरक्षा जाल और शिक्षा में कम निवेश जैसी दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि एशिया की अर्थव्यवस्थाएं महामारी-पूर्व की तुलना में अधिक धीमी गति से बढ़ रही हैं लेकिन यह रफ्तार भी दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक है।

शेयर बाजार के हाई वैल्युएशन पर सेबी चेयरपर्सन ने किया रिएक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने शेयर बाजार के वैल्युएशन पर एक बार फिर प्रतिक्रिया दी है। बुच ने कहा कि भारत के पूंजी बाजार में हाई वैल्युएशन का कारण विदेशी निवेशकों की देश को लेकर उम्मीद और भरोसा है। बुच ने एक कार्यक्रम में कहा- निश्चित रूप से कुछ लोग कहते हैं कि हमारा बाजार महंगा है लेकिन फिर भी निवेश क्यों आ रहा है क्योंकि यह उस आशावाद और विश्वास का प्रतिबिंब है जो दुनिया आज भारत में रखती है। बुच ने कहा कि वह मिली जिम्मेदारियों के तहत नियमित रूप से विदेशी निवेशकों से मिलती रहती हैं। उन्होंने देखा है कि कई साल की मजबूत वृद्धि के बाद देश की अर्थव्यवस्था में जो गति आई है, इस कारण उनमें भारत के प्रति रुचि बढ़ी है।

हाई वैल्युएशन पर जताई थी चिंता

बता दें कि सेबी प्रमुख बुच ने कुछ सप्ताह पहले छोटे और मझोली कंपनियों के शेयर कैटेगरी में हाई वैल्युएशन पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि यह एक बुलबुले में तब्दील हो सकता है। इसके बाद शेयर बाजार बुरी तरह क्रैश हो गए थे। माधबी पुरी बुच ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक सेबी सार्वजनिक शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिनिधि के रूप में काम करता है। सेबी प्रमुख ने कहा कि एक नियामक के रूप में हमारे लिए विश्वास का सबसे बुनियादी आधार पारदर्शिता है। उन्होंने कहा कि भरोसा दोतरफा होता है। जहां एक कंपनी को बाजार के साथ भरोसा बनाने के लिए नियामक के साथ विश्वास बनाना होता है, वहीं नियामक सार्वजनिक शेयरधारकों के प्रतिनिधि के रूप में उद्योग के साथ विश्वास बनाने के लिए काम कर रहा है।

मार्केट कैप अब जीडीपी के स्तर पर

माधबी पुरी बुच ने कहा कि बाजार में रुचि के कारण शेयर कैटेगरी में कुल वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में 378 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जबकि एक दशक पहले यह 74 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि मार्केट कैप अब कुल मिलाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के स्तर पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्थाओं ने वित्त वर्ष 2023-24 में इक्विटी और बॉन्ड जारी कर बाजार से कुल 10.5 लाख करोड़ रुपये जुटाये। इसमें बॉन्ड के माध्यम से आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाये गए।

एचएमएसआई की मार्च में घरेलू बाजार में बिक्री 81% बढ़कर 3,58,151 इकाई

नई दिल्ली, एजेंसी। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) की घरेलू बाजार में थोक बिक्री मार्च में सालाना आधार पर 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,58,151 इकाई रही। कंपनी की मार्च, 2023 में थोक बिक्री 1,97,542 इकाई रही थी। एचएमएसआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, मार्च, 2023 के 14,460 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने निर्यात 95 प्रतिशत बढ़कर 28,304 इकाई हो गया।

पिछले महीने कुल बिक्री बढ़कर 3,86,455 इकाई हो गई, जो 2023 के इसी महीने में 2,12,002 इकाई थी। कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में 43,50,967 इकाइयों की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में उसकी बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 48,93,522 इकाई रही।

मोटोरोला ने दुनिया के पहले टू कलर कैमरा और डिस्प्ले के साथ भारत में लॉन्च किया अपना बहुप्रतीक्षित एज 50 प्रो फोन

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वश्रेष्ठ 5जी स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज अपने नए प्रीमियम स्मार्टफोन – मोटोरोला एज 50 प्रो के भारत में ग्लोबल फर्स्ट लॉन्च की मेजबानी की। यह फोन मोटोरोला के एज फ्रेंचाइजी का सबसे नया एडिशन है। यह स्मार्टफोन बुद्धिमत्ता और कला के मिश्रण का बेहतर उदाहरण है और प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचाने के लिए तैयार है। इस स्मार्टफोन में दुनिया का पहला और एकमात्र AI पावर्ड प्रो-ग्रेड कैमरा दिया गया है, जो पैनटोन1 द्वारा मान्य वास्तविक रंगों और मानव त्वचा टोन की विशाल रेंज के साथ आता है। इस पैनटोन द्वारा मान्य स्मार्टफोन में दुनिया का पहला और एकमात्र टू कलर डिस्प्ले भी दिया गया है। मोटोरोला एज 50 प्रो एक खूबसूरती से तैयार किए गए संतुलित डिजाइन में पेश किया गया है। यह फोन मूनलाइट पर्ल फिनिश में दुनिया के पहले हस्तनिर्मित डिजाइन में आता है। इटली में बनाया गया ये डिजाइन फोन के पिछले हिस्से में देखने को मिलता है। इसके अलावा इस फोन में एक शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 0 7 जेन 3 प्रोसेसर भी है जो जेनरेटिव AI फीचर्स और दूसरे एक दम नए फीचर्स प्रदान करता है। इसमें तेज 125W टर्बोपावरU™ चार्जिंग, 50W वायरलेस चार्जिंग, IP682 अंडरवाटर

प्रोटेक्शन और 256GB स्टोरेज के साथ 12GB रैम जैसे फीचर शामिल हैं। पैनटोन द्वारा मान्य वास्तविक रंग आउटपुट के साथ दुनिया के पहले AI पावर्ड प्रो-ग्रेड कैमरे से सुसज्जितमोटोरोला एज 50 प्रो तमाम ऐसे फीचर्स से भरा हुआ है जो आपके रोजमर्रा के जीवन को खूबसूरती से कैद की गई यादों में बदल देता है। इसका कैमरा असली दुनिया के पैनटोन रंगों की पूरी सीरीज का प्रामाणिक रूप से अनुकरण करके पैनटोन के वैल्यूएशन और ग्रेडिंग मानदंडों को पूरा करता है। इसके अलावा, पैनटोन स्किनटोनइ वैलिडेटेड पर आधारित कैमरा मानव त्वचा के अलग-अलग रंगो को उनके एक दम वास्तिवक टोन में कैप्चर करता है। मोटोरोला एज 50 प्रो का एडवांस कैमरा सिस्टम मोटो.ढ्ढ की ताकत का इस्तेमाल करते हुए फोटो और वीडियो दोनों सेगमेंट शानदार प्रदर्शन करता है। इसका नया.ढ्ढ फोटो एन्हांसमेंट इंजन हर शॉट के साथ परफेक्ट तस्वीरें खींचना आसान बनाता है। इस कैमरे से फोटो लेने के लिए पेशेवर विशेषज्ञता की जरूरत नहीं है। इसका कैमरा अच्छी क्वालिटी की फोटो खीचनें के लिए एक साथ कई शूटिंग मोड से सेटिंग्स के लिए.ढ्ढ का इस्तेमाल करता है। एन्हांसमेंट इंजन फोटो में हाइलाइट्स, छाया, रंग और शानदार बोकेह इफेक्ट के लिए.ढ्ढ का उपयोग करता है। जब भी कोई यूजर जीवन के सभी पहलुओं को चलते-चलते कैद करना चाहते हैं तो नए फीचर्स का एक सेट इसे पहले से कहीं अधिक आसान बना देता है। इन सुविधाओं में शामिल हैं: AI आधारित स्टेब्लाइजेशन जो फिल्मांकन के दौरान मोमेंटम की स्पीड तय करने के लिए AI का इस्तेमाल करता है।

ब्रीफ न्यूज

गुलाम नबी आजाद अनंतनाग-राजोरी सीट से लड़ेंगे चुनाव

जम्मू कश्मीर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह घोषणा डीपीएपी कोषाध्यक्ष ताज मोहिउद्दीन ने मंगलवार को श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान की। साल 2022 में कांग्रेस से अलग होकर गुलाम नबी आजाद ने जम्मू कश्मीर में खुद की पार्टी बनाई, जिसे नाम मिला डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी। गुलाम नबी ने उधमपुर-डोडा सीट से जीएम सरूरी को मैदान में उतारा है। ऐसे में उनकी पार्टी से अब तक दो प्रत्याशी जम्मू कश्मीर के लोकसभा चुनावी मैदान में सामने आ चुके हैं। गुलाम नबी के अनंतनाग सीट से लड़ने की घोषणा नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस सीट से उम्मीदवार की घोषणा के एक दिन बाद आई है। सोमवार को उमर अब्दुल्ला ने बताया कि उनकी पार्टी से मियां अल्ताफ अनंतनाग राजोरी सीट से उम्मीदवार होंगे।

प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने मुंगावली में पति के लिए मांगा वोट, महिलाओं से कही ये बात

गुना-शिवपुरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया की पत्नी प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया मुंगावली (अशोकनगर) में मातृ शक्ति संवाद में शामिल होने के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में मात्र शक्तियों से वोटिंग के दिन घर से निकलकर अपने पति के लिए वोट करने की अपील की। प्रियदर्शिनी राजे ने कहा, मैं 18 साल की थी जब यहां आई थी। उस समय हमें एक चीज सिखाई गई थी कि जीना यहां मरना यहां। जो भी काम करना है, वो यहां खुशी बांटना, दुख में रहना। यहां मुंगावली शहर में जब हम पहले आए थे, इतना ब?ा शहर नहीं हुआ करता था। काफी महिलाएं जो हमारी बहनें हैं, जिनकी शादी पांच साल पहले हुई होगी, उनको भी नहीं मालूम होगा कि मुंगावली में क्या होता था। कैसे रहते थे लोग, आज मुंगावली में रोड, ट्रेन कनेक्शन, अस्पताल और स्कूल खुल गए हैं और खुल भी रहे हैं। यह सब महाराज का 20 साल का प्रयास है, काम कभी एक दिन में शुरू नहीं होता।

महाराज भी आप सब से पांच साल में एक चीज मांगते हैं

महाराज भी आप सबसे पांच साल में एक चीज मांगते हैं। यह इतना आसान है कि आप सब अपने घर में या बाहर जाने के समय सौ बार सोचते हैं। बिना सोचे बताओ कौन-कौन सेल्फी लेता है। सेल्फी लेने को क्या करते हैं, हंसते हैं और बटन दबाते हैं। मेरी यही उम्मीद है कि सात मई को हर एक महिला इसको सेल्फी ही समझे, क्योंकि काम आपके ही हाथ में है, काम कराना महाराज के हाथ से आपके ही हाथ में हैं।

कांग्रेस के बडे नेताओं ने चुनाव से बनाई दूरी, हाईकमान की इच्छा के बावजूद नहीं बने उम्मीदवार

कांग्रेस इस बार आधे-अधूरे मन से लोकसभा चुनाव में नजर आ रही है। बड़े नेता चुनाव से दूरी बना रहे है और हाईकमान की मंशा के बावजूद बड़े नेता चुनाव नहीं लड़ रहे है,जबकि पिछले चुनाव में विवेक तनखा, अजय सिंह राहुल, मीनाक्षी नटराजन, अरुण यादव जैसे नेता मैदान में थे,लेकिन इस बार वे उम्मीदवार नहीं बने। नकूल नाथ और दिग्विजय सिंह जरूर इस बार भी चुनावी मैदान में है,जबकि सिंह को पिछले लोकसभा चुनाव में भोपाल लोकसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था।लोकसभा चुनाव आते ही भाजपा ने कांग्रेस में तोड़फोड़ मचाना शुरू कर दी है। कई पूर्व विधायक, सांसदों ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया है। इस वजह से बड़े कांग्रेस नेता चुनावी तैयारियों पर फोकस करने के बजाए फिलहाल डेमेज कंट्रोल में जुटे है।

दो चुनाव में भाजपा रही भारी

मध्य प्रदेश में 29 लोकसभा सीटें है। वर्ष 2014 के चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 2 सीटे मध्य प्रदेश में मिली थी। कमल नाथ छिंदवाड़ा और ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना से चुनाव जीते थे,लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में तो सिंधिया को हार का सामना करना पड़ा था। उसके छह माह बाद ही वे भाजपा में शामिल हो गए थे। पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास एक मात्र छिंदवाड़ा सीट थी। इस बार भाजपा ने वहां भी जोर लगा रखा है, हाल ही में कांग्रेस के मेयर ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा कहते है कि लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश के परिणामों के कारण कांग्रेस नेता अपना राजनीतिक कैरियर दांव पर नहीं लगाना चाहते। दिल्ली से दबाव बजाए जाने के बावजूद कांग्रेस के बड़े नेता चुनाव नहीं लड़ रहे है। यह उनकी हताशा दर्शाता है।

पटवारी, सज्जन नहीं चुनावी मैदान में

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सांसद और केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव में टिकट दिया था। कांग्रेस के रणनीतिकार भी चाहते थे कि इस बार बड़े नेता चुनावी मैदान में नजर आए। इंदौर में हुई बैठक में स्थानीय नेता चाहते थे कि इंदौर से पटवारी चुनाव लड़े,ताकि मुकाबला टक्कर का रहे,

'मोदी छुट्टी नहीं लेते और राहुल विदेश में छुट्टी मनाते हैं', शाह बोले- दोनों में कोई मुकाबला नहीं

बंगलूरू

देशभर में लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। जीत हासिल करने के लिए तमाम दलों के बीच बयानबाजियों का सिलसिला भी जोर पकड़ रहा है। अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर तंज कसा है। दरअसल शाह उत्तरी बंगलूरू लोकसभा सीट में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने इंडी गठबंधन को परिवारवादियों का गठबंधन करार दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कर्नाटक में भाजपा सभी 28 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार और घोटालों का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग और कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन के बीच कोई मुकाबला नहीं है। शाह ने इस दौरान राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी छुट्टी नहीं लेते और कांग्रेस नेता राहुल गांधी गर्मियां शुरू होते ही विदेश यात्रा पर चले जाते हैं। ऐसे में दोनों के बीच कोई मुकाबला ही नहीं है।

विपक्ष पर अमित शाह का वार

दरअसल अमित शाह उत्तरी बेंगलूरू के पैलेस ग्राउंड में पांच लोकसभा क्षेत्रों के शक्ति केंद्र प्रमुख

सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान विपक्ष को परिवारवादियों का गठबंधन करार दिया। उन्होंने दावा किया कि मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 10 वर्षों के शासन के दौरान 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला किया। उन्होंने कहा कि 2014 में कर्नाटक की जनता ने हमें 17 सीटों पर जीत दिलाई। इसके बाद 2019 में 25 सीटों पर भाजपा को जीत मिली लेकिन इस बार जनता से अनुरोध है कि भाजपा गठबंधन को सभी 28 सीटों पर जीत दिलाएं।

शिवमोगा से ताल ठोकेंगे ईश्वरप्पा, शाह के साथ नहीं बनी बात

उधर कर्नाटक भाजपा के वरिष्ठ नेता के.एस.ईश्वरप्पा का कहना है कि गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें फोन किया था। बातचीत के दौरान शाह ने ईश्वरप्पा को शिवमोगा लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवारी वापस लेने के लिए कहा। ईश्वरप्पा ने कहा कि वह चुनाव लड़ने के फैसले पर अडिग हैं। दरअसल पूर्व उपमुख्यमंत्री अपने बेटे के.ई.कांतेश को टिकट नहीं दिए जाने से नाराज चल रहे हैं। इसलिए उन्होंने घोषणा की है कि वह शिवमोगा से चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि शिवमोगा से भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई.राघवेंद्र को दोबारा टिकट दिया है। ईश्वरप्पा ने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने उनके बेटे को टिकट देने का वादा किया था लेकिन उन्हें धोखा दिया।

दिनेश अरोड़ा ने करीब 10 बयानों में संजय सिंह का नहीं लिया नाम जमानत के बाद आप का दावा

सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह को जमानत दे दी है। जस्टिस संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने मंगलवार को छह महीने से जेल में बंद संजय सिंह को जमानत देने का आदेश दिया। आप नेता को मिली जमानत के बाद दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस फैसले की सराहना की। साथ ही इस दिन को भारतीय लोकतंत्र में एक बड़ा मील का पत्थर बताया। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि संजय सिंह को बेल सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने दी है। जमानत को देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने जो प्रश्न केंद्र सरकार के वकील से पूछे उनके जवाब उनके पास नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा एक आदमी है दिनेश अरोड़ा। उसके एक दो बार नहीं दस बार अलग-अलग बयान दर्ज किए गए। सभी बयानों में उसने संजय सिंह का कोई जिक्र नहीं किया। आपने (ईडी) उसे अरेस्ट किया, उसको सरकारी गवाह बनाया, फिर आपने उसे दोबारा अरेस्ट किया। फिर आप उसका 11वां बयान लेते हैं, जिसमें वह संजय सिंह के विरोध में गोलमोल बयान दे देते हैं। अब यह कौन तय करेगा कि पहले दिए गए 10 बयान गलत थे और 11वां बयान सही है।

सचिन का दावा- भगवान राम पर किसी का एकाधिकार नहीं

इंडिया अलायंस को मिलेगा बहुमत

जयपुर/नई दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने कहा कि भगवान राम सबके हैं। भाजपा कितनी भी कोशिश कर लें, भगवान राम या धर्म पर उसका एकाधिकार नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनावों को भावनात्मक मुद्दों के बजाय जनता के मुद्दों पर लड़ेगा। उत्तर भारत में राम मंदिर की लहर और इस पर इंडिया गठबंधन की रणनीति को लेकर पायलट ने कहा कि मुझे लगता है कि यह चुनाव मुद्दों पर लड़ा जाएगा, जो हमारे वर्तमान और भविष्य के लिए प्रासंगिकता रखते हैं। संवैधानिक संस्थानों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जो एक बड़ा मुद्दा है। हम चाहते हैं कि युवाओं, महिलाओं, किसानों की समस्याओं को सामने लाया जाए। हम एमएसपी की लीगल गारंटी देना चाहते हैं। एक सामान्य वोटर को इन बातों से फर्क पड़ता है। मुझे नहीं लगता कि भारतीय वोटरों को धर्म, हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद के मुद्दों से कोई फर्क पड़ेगा। चुनाव आर्थिक नीति, रोजगार

सृजन, महंगाई कम करने और हमारे किसानों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के मुद्दों पर लड़ा जाएगा। पायलट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतिम फैसला सुनाया जो सबको मान्य था। इसके बाद मंदिर का निर्माण हुआ। अब सच यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने तय किया है कि क्या होना चाहिए। कांग्रेस में हमने इस फैसले का स्वागत किया, जैसा सबने किया। इसने सभी विवादों और दावों को खत्म कर दिया। इस वजह से मंदिर का निर्माण किसी पार्टी या सरकार की वजह से नहीं हुआ। यह तो कोर्ट के अंतिम फैसले की वजह से हुआ है। यह सबको मंजूर भी था। कांग्रेस नेता ने कहा कि ÷हम सभी ने मंदिर के निर्माण का स्वागत किया, कोई इसके खिलाफ कैसे हो सकता है? लेकिन उस प्लेटफॉर्म, जजमेंट और मंदिर निर्माण का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए करना और भावनात्मक मुद्दे के आधार पर लाभ उठाना सही नहीं है क्योंकि सरकार और धर्म दो अलग-अलग बातें हैं।÷

इंडिया गठबंधन को मिलेगा बहुमत

कांग्रेस महासचिव पायलट ने भरोसा जताया कि विपक्षी पार्टियों के इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को अगली सरकार बनाने के लिए बहुमत मिल जाएगा। एक इंटरव्यू में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि एनडीए का 400 पार के नारे से अहंकार की बू आती है। उन्होंने कहा कि 卐भाजपा के लिए सत्ता में तीसरी बार आने पर पहले 100 दिन के कामों का ब्लूप्रिंट देना आसान है, लेकिन उन्हें पिछले 10 साल के कामकाज पर भी रिपोर्ट कार्ड जारी करना चाहिए।卐 उन्होंने निर्वाचन आयोग से भी अपील की कि चुनावों में सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्रदान करें।

आयकर विभाग के नोटिस पर

आयकर विभाग ने कांग्रेस को नोटिस भेजे हैं और 3,500 करोड़ रुपये से अधिक की मांग की है। उन्होंने कहा कि 卐सरकार की ओर से प्रमुख विपक्षी दल के खातों को फीज करने की %जबरन कार्रवाई% अभूतपूर्व है। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। यह जो भी हो रहा है, उसके बाद भी मेरा भरोसा वोटरों पर है। कांग्रेस वोटरों के मुद्दों को सामने ला रही है। चार जून को जब नतीजे आएंगे तब इंडिया गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने की पुष्टि हो जाएगी।

राउत बोले- सीट बंटवारे पर अब भी आंबेडकर की पार्टी से बातचीत चाहती है MVA

मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) अभी भी प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करने में दिलचस्पी रखती है। वीबीए पहले ही कई लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों का एलान कर चुकी है। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को हटाने और मतपत्रों के आधार पर चुनाव कराने की अपनी मांग भी दोहराई।

प्रकाश आंबेडकर लोकसभा चुनाव के लिए पहले कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) वाले एमवीए के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत कर रहे थे। लेकिन हाल ही में उन्होंने 48 में से 20 सीट के लिए उम्मीदवारों का एलान कर दिया था। राउत ने दावा किया कि आंबेडकर की पार्टी ने एमवीए के साथ बातचीत बंद कर दी थी। एमवीए ने उसे पांच सीट की पेशकश की थी। जिसमें अकोला, रामटेक, धुले और मुंबई की एक सीट शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम वीबीए के साथ बातचीत को रोकने वाले नहीं हैं। इसके विपरीत हम अभी भी पार्टी के साथ बाचतीच करने के लिए उत्सुक हैं।

शिंदे के लिए पार्टी के दरवाजे बंद

पिछले आम चुनावों (2019) में कई सीट पर वीबीए के उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे थे। जबकि कांग्रेस या राकांपा (अविभाजित) के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे।

'कच्चातिवु को लेकर DMK का गैर-जिम्मेदाराना बयान', निर्मला सीतारमण बोलीं- वे सब जानते थे लेकिन...

लोकसभा चुनाव से पहले कच्चातिवु को लेकर देशभर में राजनीति गरमाई हुई है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी इस मामले को लेकर विपक्ष पर हमला बोल रही है, तो दूसरी तरफ विपक्षी दल भाजपा के आरोपों को सिरे से खारिज कर रहे हैं। अब केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मामले में डीएमके पर गैर-जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगाया है।

'एम करुणानिधि सब जानते थे लेकिन आपत्ति नहीं जताई'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डीएमके अध्यक्ष दिवंगत एम करुणानिधि उस समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थे और सत्ता के शीर्ष पर बैठी कांग्रेस के कदम से भली भांति अवगत थे। इसके बाद भी उन्होंने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने कहा कि उस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कच्चातिवु को %चट्टान का एक छोटा सा समूह% कहा था। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में इस द्वीप को श्रीलंका को सौंपे जाने को लेकर कांग्रेस और डीएमके पर हमला बोला था। अब निर्मला सीतारमण का कहना है कि कांग्रेस और डीएमके द्वारा उस सच को उजागर कर देना चाहिए, जिसे वे आधी सदी से छुपाते चले आए हैं।

डीएमके के आरोपों का दिया जवाब

उधर डीएमके का कहना है कि इस द्वीप को उनकी जानकारी के बिना ही श्रीलंका को सौंपा गया और भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले इसे जबरन बड़ा मुद्दा बना रही है। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि डीएमके द्वारा झूठा अभियान फैलाया जा रहा है कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। सीतारमण ने दावा किया कि भाजपा के पास उन्हें गलत साबित करने के लिए दस्तावेज के रूप में साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा देश की सुरक्षा, संप्रभुता के साथ साथ भारतीय मछुआरों के जीवन से भी जुड़ा है। इसलिए इसे अलग करके नहीं देखा जा सकता।

कहां है कच्चातिवु द्वीप?

कच्चातिवु पाक जलडमरूमध्य में एक छोटा सा द्वीप है, जो बंगाल की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। 285 एकड़ हरित क्षेत्र 1976 तक भारत का था।

सरहद पर मुस्तैदी के साथ खड़ी सेना-राजनाथ सिंह

बीते कुछ दिनों से चीन एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश को लेकर तमाम बयानबाजी कर रहा है। हद तो तब हो गई, जब चीन ने अरुणाचल के कुछ क्षेत्र को नए नाम दिए थे। हालांकि चीन ने इस हरकत पर विदेश मंत्री जयशंकर ने दो टूक शब्दों में कहा था कि नाम बदलने से कोई चीज उनकी नहीं हो जाती है। इस बीच, पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव जारी रहने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरहद पर भारतीय सेना पूरी मुस्तैदी के साथ खड़ी है। शांतिपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

सेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने रक्षा और सुरक्षा को नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए सेना के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेना का अहम योगदान है। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की भी सराहना की और कहा कि उसके प्रयासों से पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर सड़क संचार में एक बड़ा सुधार आया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा कि उत्तरी सीमाओं पर मौजूदा स्थिति पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूरा विश्वास जताया और सरहद पर मौजूद सैनिकों की सराहना की है। गौरतलब है कि भारत और चीन की सेना के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ क्षेत्रों को लेकर लगभग चार वर्षों से गतिरोध बना हुआ है, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है।

सीमा पार से छद्म युद्ध अभी भी जारी

पाकिस्तान से सटी सीमा का जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना ने सीमा पर से आतकंवाद को रोका है, जिसकी हम सराहना करते हैं। हालांकि सरहद पार से अभी भी छद्म युद्ध जारी है।

भारत भी तिब्बत के 60 इलाकों को दे अपने नाम, चीन ने अरुणाचल के क्षेत्रों के नाम बदले तो भड़के सरमा

गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को भारत सरकार से आग्रह किया कि वह अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयासों के जवाब में जैसे को तैसा वाला रवैया अपनाए। सरमा ने सुझाव दिया की भारत को तिब्बत के साठ क्षेत्रों के लिए खुद के नाम देकर इसका मुकाबला करना चाहिए।

सरमा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, भारत सरकार से मेरा अनुरोध है कि हमें भी तिब्बत के 60 इलाकों को भौगोलिक नाम देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाब हमेशा जैसे को तैसा होना चाहिए। लेकिन मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि यह भारत सरकार का नीतिगत फैसला है। लेकिन अगर उन्होंने 30 का नाम लिया है तो हमें 60 का नाम लेना चाहिए।

चीन ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को जोर देने के लिए हाल ही में भारतीय राज्य के विभिन्न स्थानों के 30 नामों की चौथी सूची जारी की थी। विदेश मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश के नामों को बदलने की चीन की कोशिशों की आलोचना की है और कहा है कि नाम गढ़ने से सच्चाई नहीं बदल जाती। यह राज्य भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

पूर्व विदेश सचिव श्रृंगला ने भी दी प्रतिक्रिया

इस मामले पर पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह कहकर सही जवाब दिया है कि सिर्फ इसलिए कि मैंने उन घरों का नामकरण करना शुरू कर दिया जो दूसरे के नियंत्रण में हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि वे मेरे घर हो गए। ये सभी क्षेत्र भारत के हिस्से थे, हैं और हमेशा रहेंगे। यह यथास्थिति नहीं बदलेगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप क्या करते हैं या किस तरह की रणनीति अपनाते हैं। कुछ भी इस तथ्य को नहीं बदल सकता है कि ये स्थान भारत से जुड़े हैं।

भारत को जरूर मिलेगी सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता-जयशंकर

राजकोट भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता जरूर मिलेगी लेकिन इसके लिए एक बात का ध्यान रखना होगा। इसके लिए कड़ी मेहनत की जरूरत है। ये बातें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुजरात के राजकोट बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत के दौरान बताई। दरअसल इस दौरान दर्शकों ने विदेश मंत्री से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता को लेकर भारत की संभावनाओं के बारे में सवाल पूछा था।

भारत को कड़ी मेहनत करनी होगी

विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का गठन लगभग 80 साल पहले हुआ, जब चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसकी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया में लगभग 50 स्वतंत्र देश थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 193 हो गई है, लेकिन अब भी पांच देशों ने परिषद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है। एस जयशंकर ने कहा कि अब दुनिया भर में यह मांग उठ रही है कि

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव होना चाहिए

और भारत को एक स्थायी सीट मिलनी चाहिए। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि यूएनएससी में निश्चित रूप से स्थायी सदस्यता हासिल करेंगे लेकिन कड़ी मेहनत के बिना कभी भी कुछ भी बड़ा हासिल नहीं किया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र पर दबाव बनाना होगा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत, जापान, जर्मनी और मिस्र ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र के सामने एक प्रस्ताव रखा है और उम्मीद है कि इससे स्थायी सदस्यता का मामला आगे बढ़ेगा। जयशकंर ने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी को मिलकर संयुक्त राष्ट्र पर दबाव बनाना होगा। उनके अनुसार जैसे-जैसे दबाव बढ़ेगा, भारत को स्थायी सीट मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। विदेश मंत्री ने कहा कि यूक्रेन युद्ध पर संयुक्त राष्ट्र में गतिरोध था और गाजा के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में कोई आम सहमति नहीं बन पाई थी।

स्वीकृत सब-स्टेशनों और फीडरों को शीघ्रता से स्थापित करने के दिए निर्देश

जिले में लोड शेडिंग और लो-वोल्टेज की समस्या को लेकर कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

अशोक जैन संभागीय ब्यूरो

कांकेर, लोकप्रिय कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में विद्युत कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या के संबंध में से विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले के नागरिकों को अनियमित विद्युत कटौती होने से परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए निर्धारित अवधि से अधिक समय तक विद्युत कटौती न करें और यदि यह जरूरी हुआ तो लोड शेडिंग का शेड्यूल अवश्य तैयार करें। उन्होंने जिले में सभी विद्युत सब-स्टेशनों और फीडरों को स्थापित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज शाम को आयोजित बैठक में कलेक्टर ने जिले में स्वीकृत एवं प्रक्रियाधीन सब-स्टेशनों की संभागवार समीक्षा की। उन्होंने सब-स्टेशन एवं फीडर निर्माण हेतु प्रस्तावित भूखण्डों का अधिग्रहण करने के लिए वन विभाग एवं राजस्व विभाग से पत्राचार करते हुए नियमानुसार दस्तावेजीकरण एवं कार्यवाही परस्पर समन्वय के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही लो-वोल्टेज की समस्या दूर करने घरेलू कनेक्शन और कृषि पम्प कनेक्शन के फीडरों का पृथक्कीकरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान कार्यपालन अभियंता ने बताया कि बालोद जिले के गुरूर से बिजली आपूर्ति प्रारंभ होने से 02 अप्रैल से लोड शेडिंग बंद हो चुकी है। इसी तरह जिले के पाण्डरवाही में 220/132 के.व्ही. और कोण्डागांव जिले के केशकाल में 132/33 के.व्ही. के सब-स्टेशनों की स्थापना के लिए वन विभाग से जमीन अधिग्रहण की कार्यवाही की जा रही है, जिन्हें दो साल की अवधि में स्थापित की जाएगी। इस पर कलेक्टर ने उक्त निर्धारित अवधि से पहले पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। कार्यपालन अभियंता कांकेर ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम कुरिष्टीकुर, हल्बा और जुनवानी में 33/11 के.व्ही. के सब-स्टेशन दिसंबर 2024 में तैयार हो जाएंगे।

इसी तरह कार्यपालन अभियंता भानुप्रतापपुर ने बताया कि ग्राम करमोती, केंवटी और हाटकर्रा में सब-स्टेशनों की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही प्रगति पर है जबकि मड़पा में अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है। इसके अलावा कार्यपालन अभियंता पखांजूर ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र के ग्राम कोड़ेनार, बारदा, मरोड़ा, संगम और मायापुर में 33/11 के.व्ही. के सब-स्टेशन के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इस पर कलेक्टर ने भूमि अधिग्रहण के सभी प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश सभी कार्यपालन अभियंता और अनुविभागीय अधिकारियों को दिए। घरेलू कनेक्शन और कृषि पंप कनेक्शन के फीडरों का पृथक्कीकरण के संबंध में कार्यपालन अभियंता कांकेर ने बताया कि 55 फीडरों में से 22 फीडर के सेपरेशन यानी 40 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है तथा मार्च 2025 तक सभी कार्य पूर्ण हो जाएंगे। इसके अलावा कलेक्टर ने जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए आवश्यकतानुरूप कार्यवाही करने के निर्देश विभाग के अधिकारियों को दिए। इसके पूर्व क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक आशा नेताम ने भी विद्युत विभाग के अधिकारियों को बैठक लेकर क्षेत्र में लो वोल्टेज एवं विद्युत कटौती को लेकर नाराजगी जाहिर की है

भाजपा मंडल सरोना की बैठक संपन्न

अशोक जैन/ कांकेर। लोकतंत्र के महा पर्व लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टीयाँ अपने अपने स्तर पर चुनावी मैदान में उतर चूकी है वही भाजपा पूर्व के विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से उत्साहित है वही लोकसभा चुनाव में भी इसी उत्साह के साथ जीत दर्ज कराने कमर कस चुकी है इसी चुनावी तैयारी को लेकर भाजपा मंडल सरोना की महत्वपूर्ण बैठक आज पंचायत भवन के पास में आयोजित किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा जिला मंत्री एवं प्रभारी हीरा मरकाम मंडल प्रभारी तारा ठाकुर के उपस्थित मे भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित किया गया था इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री हीरा मरकाम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुरी तन्मयता से कार्य कर भाजपा को जिताने व देश में पुनः मोदी जी की सरकार बनाने का आह्वान किया इसी कड़ी में वरिष्ठ भाजपा नेता भरत निषाद ने उद्बोधन में कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर जन जन तक जाने व डबल इंजन की सरकार बनाने की बात कही उद्बोधन में मंडल अध्यक्ष यशवंत सुरोजिया ने कहा कि पुरे देश में भाजपा के पक्ष में माहौल है और हमें अबकी बार चार सौ पार व फ़िर इस बार मोदी सरकार के लक्ष्य को लेकर जनता के बीच जाना है तथा देश के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी की गारंटी व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन व केंद्र तथा राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुँचाना है तथा कांकेर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी भोजराज नाग को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने जनमानस से आग्रह करना है साथ ही छै अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस को भाजपा मंडल सरोना के सभी बूथों पर पुरे उत्साह के साथ मनाना है इस बैठक में ज़िला पंचायत सदस्य एवं मंडल प्रभारी तारा ठाकुर ने भी सभी को इस चुनावी समर में कमर कस उतरने व लोकसभा प्रत्याशी भोजराज नाग को जिताने आह्वान किया

इस बैठक में प्रमुख रूप से मंडल महामंत्री कन्हैया नेताम सुरज कोराम संजय गोलछा किशोर भास्कर जीवन नेताम अजय हिरवानी रामाधार धनकर सुरेश यादव निलेश गोलछा भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी अशोक जैन सहीत मंडल पदाधिकारी शक्ति केंद्र प्रभारी बूथ समिति व बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे!

गणवेश एवं पुस्तक किसी विशेष दुकान से लेने पालकों को नहीं करें बाध्य : कलेक्टर

आरटीई के तहत चयन प्रक्रिया में दस्तावेजों की बारीकी से जांच के निर्देश, कलेक्टर ने ली प्राचार्यों की बैठक

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 04 अप्रैल 2024 कलेक्टर अवनीश शरण ने आरटीई के तहत जिले के अशासकीय विद्यालयों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी, स्वामी आत्मानंद स्कूल, डीएव्ही मुख्यमंत्री स्कूलों के प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारी और विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों की बैठक प्रार्थना भवन में ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पालकों को स्कूल गणवेश और पाठयपुस्तक किसी दुकान विशेष से लेने के लिए कोई भी संस्थान बाध्य नहीं करेगा। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले स्कूल भवन मरम्मत के कार्य जो पहले से शुरू हो चुके है, वे हरहाल में पूरा कर लिया जाए।

बैठक में बताया गया कि आरटीई के तहत वर्ष 2024-25 में 551 अशासकीय विद्यालयों में लगभग 4 हजार 535 सीटों पर प्रवेश लिया जाना है। छात्रों द्वारा 15 अप्रैल तक ऑनलाईन आवेदन किया जाना है। कलेक्टर ने सभी नोडल अधिकारी (प्राचार्य) को निर्देश दिए कि दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर सत्यापन करें। योजना के संबंध में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। अपूर्ण भरे गए आवेदन की सूचना अनिवार्य रूप से दें। बच्चों के चयन में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। किसी भी विद्यालय में आरटीई के तहत सीट रिक्त न रहे इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाया जाए। कलेक्टर ने ऑनलाईन लॉटरी के द्वारा चयनित बच्चों तक प्रवेश की सूचना अनिवार्यतः भेजने के निर्देश दिए। बैठक में इसी प्रकार जिले में संचालित 34 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेश की भी जानकारी दी गई। सेजेस पोर्टल में ऑनलाईन प्रवेश के लिए आवेदन करने की तिथि 10 अप्रैल से 5 मई तक निर्धारित की गई है। अधिक आवेदन होने की स्थिति में लॉटरी के माध्यम से सीटों का आबंटन किया जाएगा। प्रवेश की अन्य आवश्यक कार्यवाही 11 मई से 15 मई 2024 तक पूरी कर ली जाएगी। स्वामी आत्मानंद स्कूल में ऑफलाईन एवं ऑनलाईन दोनों माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। इसी प्रकार जिले में संचालित 4 डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूलों की भी जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने दिलाई मतदाता शपथ

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण ने बैठक में मौजूद सभी लोगों को लोकसभा निवार्चन सहित अन्य निर्वाचनों में अपने मताधिकार का शत प्रतिशत उपयोग करने की शपथ दिलाई।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत आरपी चौहान, स्कूल शिक्षा विभाग के एडीपीओ अनिल तिवारी, सहायक संचालक पी दासरथी, अजय कौशिक, एपीसी रामेश्वर जायसवाल, सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य, स्वामी आत्मानंद स्कूल के प्राचार्य एवं डीएव्ही मुख्यमंत्री स्कूल के प्राचार्य मौजूद थे।

6 अप्रैल को शहर में स्वीप संध्या का आयोजन,हैप्पी स्ट्रीट में किया जाएगा कार्यक्रम

भारत भास्कर/ बिलासपुर-: आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग द्वारा चलाएं जा रहे मतदाता जागरुकता अभियान स्वीप के तहत जिला प्रशासन के तत्वाधान में बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्वीप संध्या एक शाम लोकतंत्र के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 6 अप्रैल शनिवार को शाम 6 बजे से शहर के नए बने टूरिस्ट स्पाट हैप्पी स्ट्रीट में स्वीप संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस म्यूजिकल शो में प्रस्तुति देने विशेष रुप से रायपुर से इंडियन रोलर ग्रुप बिलासपुर पहुंच रहे हैं। जो अपने अनोखे अंदाज में परफार्म कर मनोरंजन के जरिए लोगों से मताधिकार का प्रयोग करने की अपील करेंगे। वर्तमान में शहरवासी बड़ी संख्या में हैप्पी स्ट्रीट पहुंच रहे हैं,खासकर शाम के वक्त। जहां पूरे परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताया जा सकता है। शहर के लिए नया टूरिस्ट स्पाट बन चुके हैप्पी स्ट्रीट में सांसकृतिक कार्यक्रम के जरिए मतदान का संदेश दिया जाएगा। उपस्थित नागरिकों को मतदान की शपथ दिलाई जाएगी।

आग से बचाव के लिए फायर फाइंटिग मॉक ड्रिल

शांति एवं धैर्य से करें आगजनी का मुकाबला : कलेक्टर

लोगों ने सीखा अग्निशमन औजारों के इस्तेमाल की तरकीब

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 04 अप्रैल 2024 गरमी के मौसम में आगजनी की आशंकां कई गुना ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे हालात में आग से बचाव संबंधी लोगों में जागरूकता लाने के लिए फायर फाईटिंग मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिला कार्यालय परिसर में आयोजित ड्रिल में नगर सेना एवं अग्निशमन विभाग द्वारा आग के विभिन्न प्रकार एवं उससे बचाव की उपयोगी जानकारी दी गई। कलेक्टर अवनीश शरण सहित जिला कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में उपस्थित आम जनता ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर इसे अत्यंत उपयोगी बताया। जिला कमाण्डेन्ट एवं अग्निशमन अधिकारी दीपांकुर नाथ के नेतृत्व में नगर सेना, अग्निशमन एवं एसडीआरएफ की टीम ने आग से बचाव का सुन्दर मॉक ड्रिल किया। लोगों को घरेलू अग्निशन उपकरणों के उपयोग एवं आगजनी पर रखने वाली सावधानियां की जानकारी दी गई।

कलेक्टर अवनीश शरण ने ड्रिल देखने के बाद कहा कि मॉक ड्रिल से लोगों में आगजनी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं और कई भ्रांतिया दूर हुई हैं। उन्होंने कहा कि आग का मुकाबला शांति से करना चाहिए। आग लगने पर घबराना नही चाहिए। आग लगने पर जलने से ज्यादा दम घुटने से मौत होती है। सभी लोग अपने घरों में लघु अग्निशमन का औजार रखें। डेढ़ दो हजार रूपये इसकी कीमत होती है। समय-समय पर इसका परीक्षण करते रहें। जिला कमाण्डेन्ट दीपांकुर नाथ ने बताया कि आग लगने पर जल्द जमीन पर लेट जाएं। नाक में गीला कपड़ा रखकर खुले में बाहर निकल जाएं। जरा भी घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आग के प्रकार, विभिन्न प्रकार से आग बुझाने की तरकीब, सावधानियां तथा आग लगने पर क्या कार्रवाई करना चाहिए, के बारे में बताया।

जिला अग्निशमन अधिकारी दीपांकुर नाथ ने आम जनता से अपील की है अग्निदुर्घटना से बचाव हेतु लोग सजग रहें। अपने निवास स्थान पर किसी भी प्रकार की ज्वलनशील पदार्थ जैसे पेट्रोल, डीजल, किरोसीन, तारपीन तेल, स्पिरिट आदि का भण्डारण न करें। मॉक ड्रिल में कई लोगों ने अग्निशमन औजारों का व्यावहारिक उपयोग करना सीखा। आगजनी संबंधी लोगों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। आपर कलेक्टर द्वय आरए कुरूवंशी, शिवकुमार बनर्जी सहित विभाग के सब इंस्पेक्टर रवि शर्मा, मनोहर ध्रुव,दीपक नावरे, सुनील भगत, एसडीआरएफ के बलराम, दीपक साहू आदि जवान शामिल होकर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सदस्यों ने एक दूसरे को दी बधाई, आगे बनेगी पत्रकारों के लिए बड़ी योजनाएं

एमसीबी प्रेस क्लब रजिस्टर्ड 1 वर्ष किया 1 वर्ष में किए बड़े-बड़े आयोजन जिला एम,सी बी प्रेस क्लब बनी एक नई,पहचान

राजीव वर्मा

एमसीबी--भारत भास्कर--मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के जिला स्तर पर बने पत्रकारों के एक,मात्र रजिस्टर्ड एमसीबी प्रेस क्लब के पत्रकार भवन का भूमिपूजन एक साल पहले 4 अप्रैल 2023 को हुआ था उसी दिन जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में पहली बार क्लब के सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह भी संपन्न हुआ था अध्यक्ष रणजीत सिंह ने बताया कि एक साल के भीतर चैनपुर में कलेक्टर कार्यालय के नजदीक एमसीबी प्रेस क्लब का पत्रकार भवन बनकर तैयार हो गया है भवन के लिए 15 लाख रुपए पूर्व मुख्यमंत्री घोषणा मद से पूर्व,विधायक गुलाब कमरो की पहल से मिले थे प्रशासन ने भवन निर्माण के लिए जमीन दी , बाद में काम शुरू करने

निर्माण के लिए जमीन दी , बाद में काम शुरू करने के पहले जमीन का शुल्क जमा करने के लिए समाजसेवी स्वर्गीय कैलाश खेड़िया जी , गौतम दुग्गड़ जी बंटी गोयल जी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

क्लब के भवन में लगे ग्रेनाइट टाइल्स से लेकर फर्नीचर तक की व्यवस्था करने में हमे कई गणमान्य लोगों का सहयोग मिला हम सभी सहयोगियों के आभारी है । हम आभारी है ग्रीन वैली टीम के जिन्होंने भवन के नजदीक बने प्रेस पार्क को संजोए रखने में अपना सहयोग हमे दे रही है

आज एमसीबी प्रेस क्लब में जिले के हर क्षेत्र के पत्रकार साथी शामिल है , परिवार लगातार बढ़ रहा है आज 79 पत्रकार साथी जो कि बड़े-बड़े बैनर और छोटे बैनर से हैं सबको एक ही सम्मान से देखा जाता है, जो की,इस क्लब का हिस्सा है अपने आप मे बड़ी बात है क्लब के द्वारा इस बीच अभी तक स्वास्थ्य शिविर , सदभावना क्रिकेट मैच , कवि सम्मेलन , दिवंगत पत्रकारों के घर जाकर उनके परिजनों का सम्मान किया गया है साथ ही क्लब की ओर से पत्रकार साथियों का बीमा करवाने का काम भी किया गया है

तमाम विरोध अड़चन के बावजूद क्लब लगातार आंगे बढ़ रहा है सभी शुभचिंतकों को इसके लिए बधाई साथ ही शुभकामनाएं

एमसीबी प्रेस क्लब से जुड़े सभी साथियो मिलता रहे सहयोग,,क्लब को और आपस में एक दूसरे का सहयोग बना रहे और इसी तरह एकता सहयोग बनाये रखें आपका अपना हम सब का

संयोजक सतीश गुप्ता

सार-समाचार

एसईसीएल कर्मचारियों ने ली मतदाता जागरूकता शपथ

प्रवेश गोयल/ सूरजपुर कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोहित व्यास के निर्देशन में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान करने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप के अन्तर्गत जिला पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में आयोजित माइक्रो ऑब्जर्वर के प्रथम प्रशिक्षण में उपस्थित एस.ई.सी.एल. विश्रामपुर, कुम्दा कॉलरी, भटगांव के एवं अन्य उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलाया गया और उन्हे मतदान के लिए प्रेरित करते हुए अवश्य मतदान करने की अपील की गई।

माइक्रो ऑब्जर्वर को दिया गया प्रथम प्रशिक्षण

प्रवेश गोयल/ सूरजपुर आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोहित व्यास के निर्देशन में एवं प्रशिक्षण नोडल अधिकारी श्रीमती कमलेश नंदनी साहू मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर की उपस्थिति में माइक्रो ऑब्जर्वर को प्रथम प्रशिक्षण जिला पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में दिया गया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री पी.सी. सोनी प्राचार्य ने बताया कि माइक्रो ऑब्जर्वर को सामान्य प्रेक्षक के नियंत्रण एवं निर्देशन में कार्य करना है अतः सभी माइक्रो ऑब्जर्वर के पास सामान्य प्रेक्षक का नाम एवं मोबाईल नम्बर होना चाहिए। माइक्रो ऑब्जर्वर उस मतदान केन्द्र में सिर्फ प्रेक्षक हैं जो मतदान दिवस को मतदान केन्द्र में उपस्थित होकर मतदान दल द्वारा की जानी वाली मतदान प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करेंगे। ये मतदान दल के सदस्य नहीं है। वे किसी भी स्थिति में मतदान दल के सदस्य के रूप में कार्य नहीं करेंगे। इनकी नियुक्ति जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आयोग के निर्देशानुसार क्रिटिकल मतदान केन्द्र में की जाती हैं। इन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियुक्ति आदेश एवं फोटो पहचान पत्र दिया जाएगा। इन्हे जिला निर्वाचन अधिकारी की व्यवस्था द्वारा मतदान केन्द्र में पहुँचाया जायेगा जो मतदान केन्द्र में सम्पन्न होने वाली सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया का सूक्ष्मता पूर्वक पर्यवेक्षण कर अपनी रिपोर्ट 18 बिंदुओं के अंतर्गत सामान्य प्रेक्षक या प्रेक्षक प्रतिनिधि को बंद लिफाफा में सौपेंगे। इन्हे यह बताया गया कि माइक्रो आब्जर्वर को मतदान केन्द्र पर चलने वाली निम्न प्रक्रिया का अवलोकन करेंगे- वास्तविक मतदान प्रारंभ होने के 90 मिनट पूर्व से प्रारंभ होने वाली मॉक पोल प्रक्रिया की निगरानी, मॉक पोल के डाटा को हटाया जाना, वीवीपैट के ड्रॉपबॉक्स से मॉक पोल के पेपर पर्चियों को निकालकर ड्रॉपबॉक्स को खाली करना, वास्तविक मतदान के पूर्व मतदान मशीन में सीलिंग प्रक्रिया का अवलोकन, मॉक पोल प्रमाण पत्र तैयार करनी की निगरानी, मतदान अभिकर्ता की उपस्थिति एवं उनका आचरण, एन्ट्री पास सिस्टम की निगरानी, मतदान केन्द्र पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं- बिजली, पेयजल, शौचालय, छाया, रैम्प, मतदाता सुविधा पोस्टर की निगरानी, मतदाता के पहचान के आवश्यक दस्तावेज- वोटर कार्ड या वोटर कार्ड नहीं होने पर 12 अन्य वैकल्पिक दस्तावेज से मतदान करने की निगरानी, अमिट स्याही की उपयोग, ईवीएम व वीवीपैट के रिप्लेसमेंट की निगरानी, मत की गोपनीयता की निगरानी, मतदान के दौरान अन्य शिकायतों की निगरानी कर अपना रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने के संबंध में विस्तार से बताया गया। उन्हें मतदान केन्द्र में प्रवेश करने के हकदार व्यक्ति के बारे में, अनुपस्थित, स्थानान्तरित, मृत मतदाता के बारे में जानकारी दी गई। सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को ईवीएम व वीवीपैट की कार्यविधि, मतदान अधिकारी क्रमांक 1,2,3 के बीच कार्य का विभाजन, मतपत्र लेखा प्रारूप 17 सी, पीठासीन अधिकारी की डायरी के बारे में भी बताया गया। उन्हें यह बताया गया कि यदि एक ही परिसर में एक से अधिक मतदान केन्द्र है तो वे बारी-बारी से उन मतदान केन्द्रों पर जाकर मतदान प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करेंगे और अपनी रिपोर्ट अनुलग्न 1 के अनुसार पृथक-पृथक बनाकर संग्रहण केन्द्र में जमा करेंगे। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी श्रीमती कमलेश नंदनी साहू, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर द्वारा सभी माइक्रो आब्जर्वर को संबोधित करते हुए उन्हें यह निर्देश दिया कि वास्तविक मतदान प्रारंभ होने के 90 मिनट पूर्व मॉक पोल प्रक्रिया का गंभीरतापूर्वक पर्यवेक्षण करें और यह देखे कि मॉक पोल कराने के बाद मॉक पोल के डाटा को कन्ट्रोल यूनिट के क्लीयर बटन को दबा कर हटा दिया गया है। और पेपर पर्चियों को वीवीपैट के ड्रॉपट बॉक्स से निकालकर काले रंग के लिफाफे में रख दिया गया है। सभी माइक्रो ऑब्जर्वर इस कार्य की विशेष निगरानी करे। अंत में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री पी0सी0 सोनी प्राचार्य द्वारा सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को डाक मतपत्र से और निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण के आधार पर मतदान करने की प्रक्रिया के बारे बताया गया। माइक्रो ऑब्जर्वर से हेण्ड्सऑन कराया गया।

शिवनाथ नदी किनारे चल रहे अवैध पंजा ईंट भट्टा पर की बड़ी कार्रवाई

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 4 अप्रैल 2024 को कलेक्टर अवनीश शरण व एसडीएम अमित कुमार सिन्हा के निर्देश पर तहसीलदार श्रीमती माया अंचल लहरे के नेतृत्व में राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग द्वारा ग्राम जोंधरा में 6 अवैध ईंट पंजा भट्टा के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की संयुक्त टीम, पचपेड़ी तहसीलदार श्रीमती माया अंचल लहरे, राजस्व निरीक्षक, पटवारी के नेतृत्व में टीम व पुलिस अधिकारी शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब के साथ 7 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अवैध शराब बेचने व परिवहन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में शराब जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने अभनपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम खोल्हा बस्ती तालाब पार के पास बेलेनो कार क्रमांक सीजी 04 एमटी 0319 के चालक मनीराम टंडन 40 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से कार में रखे 10 पेटी कुल 455 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं विधानसभा पुलिस ने खालबाड़ा सड्डू में दबिश देकर आरोपी जगजीवन डहरिया 34 वर्ष के पास से 24 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 200 रुपए जब्त किया है। इसी तरह नेवरा पुलिस ने सासाहोली नेवरा स्थित सुखी होटल के पास आरोपी सुरेश बंजारे 34 वर्ष के पास से बाइक में रखे 50 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपी धनेन्द्र कुमार 30 वर्ष के पास से 10 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 510 रुपए जब्त किया है। वहीं मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी डोमार बंजारे 20 वर्ष व दुर्गेश साहू 20 वर्ष के पास से कुल 39 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह उरला पुलिस ने आरोपी संतोष वैष्णव 58 वर्ष के पास से 9 अद्धि देशी शराब व बिक्री रकम 200 रुपए जब्त किया है।

26.800 किलोग्राम गांजा के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर। आगामी लोकसभा चुनाव के मध्य नजर जिला गरियाबन्द क्षेत्रांन्तर्गत् अवैध कारोबारियों (हीरा, गांजा, शराब, जुआ, सट्टा एवं वन्य प्राणी तस्करों पर) शिंकजा कसते हुये गांजा परिवहन करने वालों के ताक में पुलिस द्वारा निरंतर जागरूक होकर अवैध कार्यवाही रोकने हेतु पुलिस कप्तान अमित तुकाराम काम्बले के दिशा निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चन्द्राकर व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गरियाबंद गोपाल वैश्य के मार्ग दर्शन पर थाना प्रभारी सिटी कोतवाली गरियाबंद निरीक्षक कृष्णा प्रसाद जागड़े द्वारा टीम गठित कर एवं सायबर टीम गरियाबंद के द्वारा पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध वाहनो की चेकिंग कार्यवाही की जाती रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 01.04.2024 को दो युवक मां शारदा बस क्रमांक सीजी-23 एल-0172 झाखरपारा देवभोग से रायपुर ले जाने के दौरान उक्त जानकारी पर जिला गरियाबंद के स्पेशल टीम एवं थाना गरियाबंद पुलिस द्वारा रोककर पूछताछ करने पर आरोपी 01. अजमत खान पिता हफीजुल्ला खान उम्र 27 साल निवासी उचोद थाना अकोदिया जिला साजापुर (मध्यप्रदेश) 02. अरशद खान पिता मजिदुल्ला खान उम्र 26 साल निवासी ग्राम पिरावा थाना पिरावा जिला झालावाड़ (राजस्थान) से कुल 26.800 किलोग्राम गांजा को उड़िसा से खरीदकर लाना बताये जिसका कीमत 2,68,000/ रूपये एवं 02 नग मोबाईल किमती 22,000 रू / कुल जुमला कीमती 2,90,000/रूपये को पकड़ने में सफलता हासिल हुई। कार्यवाही पश्चात उक्त आरोपियो को रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। वरिष्ठ अधिकारियो द्वारां पुलिस को इस प्रकार के अवैध कारोबारियो पर निरंतर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली गरियाबंद निरीक्षक कृष्णा प्रसाद जागड़े, स.उ.नि.टीकाराम ध्रुव प्रआर डिगेश्वर साहू, स्पेशल टीम, सउनि मनीष वमा सुशील पाठक, सतीश गिरी, देवेन्द्र सोनवानी, गजानंद सिन्हा, की सराहनीय भूमिका रही।

ऑपरेशन ईगल में अब तक 572 वांरटी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग द्वारा रेंज में चलाए जा रहे अभियान - ऑपरेशन ईगल के तहत वर्षों से लुक छिप कर रह रहे वारंटियों पर नकेल कसते हुए आधुनिक तकनीकियों का उपयोग एवम लगातार सुपरवीजन से आरोपियों की धरपकड़ की गई, उन्होंने विभिन्न प्रकार के वारंटों का वर्गीकरण करके साइंटिफिक्र तरीके से उनका विश्लेषण किया साथ ही जिलों को टारगेट बेस्ड एप्रोच के जरिए मॉडर्न तकनीक अपनाते हुए वारंट तामील करने के लिए निर्देशित किया। जिला बालोद, बेमेतरा, दुर्ग के राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की देख रेख मे जिला मुख्यालय एवं प्रत्येक थाना स्तर पर थाना प्रभारियो को अपने अपने क्षेत्र में लंबित स्थाई वारंटियों एवं गिरफ्तारी वारंटियों के विरुद्ध अभियान चलाकर शीघ्र धरपकड़ कर न्यायालय मे पेश करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में दुर्ग रेंज के जिला दुर्ग पुलिस द्वारा अभियान ईगल के तहत वारंटियों की धर पकड़ की गई, दिनांक 01/03/2024 से 31/03/2024 तक की स्तिथि मे दुर्ग जिले के समस्त थानों से कुल 356 स्थाई वारंटों की तामिल/निराकरण किया गया है। इसी क्रम में जिला बेमेतरा पुलिस द्वारा अभियान ईगल के तहत वारंटियों की धर पकड़ की गई, दिनांक 01/03/2024 से 31/03/2024 तक की स्तिथि मे तक जिले के समस्त थानों से कुल 55 स्थाई वारेंटो की तामिल/निराकरण किया गया है। इसी क्रम में रेंज के जिला बालोद पुलिस द्वारा अभियान ईगल के तहत वारंटियों की धर पकड़ की गई, दिनांक 01.03.2024 से 31.03.2024 तक की स्तिथि मे तक जिले के समस्त थानों से कुल 161 स्थाई वारेंटो यहां उल्लेखनीय है कि दुर्ग रेंज में वारंट तामिली मे सर्वाधिक 204 वारंट धारा 138 (एन आई एक्ट) में की तामिली एवं 96 स्थाई वारंट मारपीट से संबंधित धारा के तहत तामिल किये गए हैं। इसके साथ ही चोरी /नकबजन के 62 वारंटो की तामिली में दुर्ग रेंज पुलिस को सफलता मिली है। वारंटियों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान में दीगर राज्य जिसमें मध्य प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडु, पंजाब,पश्चिमबंगाल, बिहार, महाराष्ट्र आदि राज्यों के वारंटों को माननीय न्यायालय में पेश करने में सफलता मिली है।

लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया दिशा निर्देश

रायपुर। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार लू से बचाव एवं प्रबंधन हेतु दिशा निर्देश जारी किये गये है। जिसके अंतर्गत जिले में भीषण गर्मी पड़ने पर लू के बचाव हेतु जन-सामान्य को उसके लक्षणों की पहचान एवं उपाय तथा प्रारंभिक उपचार हेतु जागरूक किया जाना है। ताकि उक्त परिस्थितियों में ऐसे व्यक्तियों को बचाया जा सके। सामान्यतः लू के मुख्य लक्षण सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का ना आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना लू लगने का प्रमुख कारण है। क्योंकि तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यतः नमक की कमी होता है। दिशा निर्देश में कहा गया कि जब तक अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाया जाए, इसके साथ ही धूप में निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांधने, अधिक मात्रा पानी पीने, अधिक समय तक धूप में न रहने।

महंत के बयान पर सीएम विष्णुदेव ने किया पलटवार

महासमुंद में मंच से कहा-पहिला लाठी मोला मारव,भूपेश पर तंज

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत के पीएम मोदी के खिलाफ दिए गए विवादित बयान पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पलटवार किया है। सीएम साय ने कहा कि चरणदास महंत और कांग्रेसियों से कहना चाहता हूं कि अगर उनमें हिम्मत है, तो मैं भी मोदी परिवार का सदस्य हूं, पहली लाठी मुझे मारे। उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि कांग्रेसियों ने पहले भी मोदी जी को चौकीदार चोर है कहा था, जिसका जवाब देश की जनता ने अच्छे से दिया था। कांग्रेस के इस घटिया बयान का करारा जवाब जनता ही फिर से देगी। महासमुंद में सीएम साय ने कांग्रेस से खुद को लाठी से मारने की चुनौती देते हुए कहा कि चरणदास महंत का देश के प्रधानमंत्री के ऊपर दिया गया बयान बहुत ही शर्मनाक है। इसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। सीएम साय ने कहा कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए महासमुंद लोकसभा से बहन रूपकुमारी चौधरी को सांसद बनाकर दिल्ली भेजें और प्रदेश की पूरी 11 की 11 सीटें भाजपा की झोली में डालें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही हमने मोदी की गारंटी में जो प्रमुख वादा था उसको सांय-सांय पूरा किया और सभी काम को सांय-सांय कर रहे हैं, जिससे कांग्रेस का बाय-बाय हो रहा है। कांग्रेस में भगदड़ मची है, उनके लोग पार्टी छोड़ रहे हैं और भाजपा में शामिल हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस का बाय-बाय करना है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने कोयला, शराब, रेत, जमीन सबमें भ्रष्टाचार किया। उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के ऊपर महादेव सट्टा एप को निरन्तर चलाने के लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप लगा, उन पर एफआईआर हुआ। कांग्रेस की सरकार ने 18 लाख गरीबों के आवास का पैसा खा दिया, गरीबों का मकान अधूरा का

अधूरा रह गया। किश्त रुकने से 5 साल तक उनका मकान नहीं बन पाया।महासमुंद में नामांकन से पहले मुख्यमंत्री के समक्ष भाजपा में शामिल होने के लिए कांग्रेसियों की होड़ दिखी। महासमुंद जिला पंचायत की अध्यक्ष रही उषा पटेल, पूर्व में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष और महासमुंद नगर पालिका की अध्यक्ष रही अनिता रावटे, महासमुंद नगर पालिका के उपाध्यक्ष रहे हरबंश सिंह ढिल्लों, पिथौरा नगर पंचायत के 4 बार के अध्यक्ष रहे देव सिंह निषाद, महिला नागरिक बैंक की अध्यक्ष रही अरुणा शुक्ला, जनपद पंचायत महासमुंद के पूर्व उपाध्यक्ष नरेंद पटेल का नाम शामिल होने वालों में प्रमुख रहा। साथ ही कबीर पंथ के संत देवकर साहेब भी भाजपा में शामिल हुए हैं। चरणदास महंत ने राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नामांकन सभा के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते हुए कहा था कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई लाठी लेकर खड़ा हो सकता है तो वो भूपेश बघेल हैं, हम लोगों को लाठी चलाने वाला, नरेंद्र मोदी के सर को फोड़ने वाला आदमी चाहिए, जो भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव ही कर सकते हैं। इतिहास इस बात का भी गवाह है कि कांग्रेस ने जितनी गालियां पीएम मोदी को दी है। जनता ने उसे गहना बनाया है। कांग्रेस को सबक सिखाया है। उन्होंने इस बयान को हिंसक, भड़काऊ और उग्र बयान बताया है। उन्होंने आगे कहा कि देश की संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ने वाला बयान है। जनता अपनी प्रिय प्रधानसेवक के लिए इस प्रकार ने बयान कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस को सबक सिखायेगी। भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने कहा कि मैं भी हूं मोदी का परिवार और कांग्रेस नेताओं को कहना चाहता हूं कि पहली लाठी मुझे मारो। जिस प्रकार का अमर्यादित बयान कांग्रेस नेताओं ने किया है।

केंद्र में सरकार बनी तो कांग्रेस देगी युवाओं महिलाओं,किसानों को पांच गारंटियां:विनोद

- कांग्रेस की गारंटी से महिलाएं होंगी समृद्ध, युवा, किसान बनेंगे आत्मनिर्भर
- भाजपा की नीति में किसान की समृद्धि खुशहाली नहीं है

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी तो युवाओं, महिलाओं व किसानों की समृद्धि के लिए पांच-पांच गारंटियां पूरी की जाएगी। महिलाओं के लिये महालक्ष्मी योजना लागू करेगी। महालक्ष्मी योजना में हर महिला को साल में एक लाख रुपए अर्थात महीने में 8333 रुपए मिलेंगे। केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनते ही किसानों की सुख समृद्धि के लिये एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाएगा। राहुल गांधी ने 5 चरणों में युवा न्याय की घोषणा की है। कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार में 30 लाख नौकरी की गारंटी देगी। एक कैलेंडर जारी करेंगे और उसके अनुसार समयबद्ध तरीके से भर्ती की प्रक्रिया पूरी करेंगे। कांग्रेस पांच साल की अवधि के लिए देश में आवंटन की सुविधा के साथ 5000 करोड़ रुपए का एक कोष बनाएगी। 40 साल से

कम उम्र के युवा किसी भी क्षेत्र में अपने बिजनेस के लिए स्टार्ट अप फंडिंग का लाभ उठा सकेंगे। श्री चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, पूरे देश सहित यहां के अन्नदाता किसानों को किसान न्याय की गारंटी मिलने से वे समृद्ध होंगे तथा उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर एमएसपी को कानूनी दर्जा मिलेगा। किसान आर्थिक रूप से सक्षम होगा, खुशहाल होगा। बीते 10 वर्ष में मोदी सरकार ने किसानो की आमदनी दोगुनी करने उपज का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य देने जैसे वादों को पूरा नहीं किया, बल्कि किसानों को कमजोर करने एवं पूंजीपतियों का गुलाम बनाने के लिए तीन काला कृषि कानून लाया जिसका कांग्रेस ने पुरजोर विरोध किया था। भाजपा की नीति में किसान की समृद्धि खुशहाली नहीं है। श्री चंद्राकर ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा जनता को जो 5 गारंटियां दी गई हैं, जो देश के लिए आशा की नई किरण बन कर आई है।

प्रदेश के 403 अंग्रेजी और 348 हिंदी आत्मानंद स्कूलों में होगा प्रवेश

- आत्मानंद :10 अप्रैल से आवेदन, एक छात्र एक ही स्कूल में भर सकेगा फार्म

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में शिक्षा सत्र 2024-25 प्रवेश के लिए 10 अप्रैल से आवेदन किए जा सकेंगे। प्रदेश में अभी कुल 404 अंग्रेजी और 348 हिंदी आत्मानंद स्कूल संचालित हैं सभी स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। 5 मई तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसके बाद 5 से 10 मई तक प्रवेश के लिए 4 लॉटरी निकलेगी। इसके बाद 11 से 15 मई तक एडमिशन होंगे। गौरतलब है कि नए सत्र से इन स्कूलों का संचालन स्कूल शिक्षा विभाग करेगा। अब तक ये स्कूल कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति से संचालित हो रहे थे। चर्चा यह भी है कि प्रदेश में आगामी शिक्षक भर्ती इन स्कूलों में भी हो सकती है। 10 तारीख से सेजस पोर्टल शुरू हो जाएगा। इसके माध्यम से आवेदन किए जा सकेंगे। शिक्षा विभाग की ओर से जारी निर्देश के अनुसार आवेदन ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम में भरे जा सकते हैं। एक छात्र एक ही स्कूल में आवेदन कर सकता है। पिछली बार कई बच्चों के नाम 3 से 4 स्कूलों में भी शामिल थे। जिन्हें निरस्त कर दिया गया था। बालिकाओं के 50 फीसदी सीट आरक्षित किया जाएगा। इसके बाद जो सीट बचेगी उनमें एडमिशन होंगे। इसमें आरक्षण रोस्टर का भी पालन किया जाएगा। इसके साथ ही महतारी दुलारी योजना के तहत जिन बच्चों के माता-पिता नहीं हैं, उनके लिए हर क्लास में 6 से 7 सीट आरक्षित रहेगी। स्कूल प्रबंधन सीधे इन्हें एडमिशन देगा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम के प्रदेश में कुल 403 स्कूल हैं। जबकि रायपुर में 33 हैं। इनमें 5 पिछले साल ही शुरू हुए हैं। पिछली बार नए स्कूलों में केवल पहली से 9वीं तक 40-40 सीटों पर ही प्रवेश हुए थे। इनमें कक्षा पहली के लिए ही हर स्कूलों में 500 से 800 आवेदन आए थे। किसी भी तरह बच्चों को एडमिशन मिल जाए, यह सोचकर परिजनों ने बच्चों के ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में आवेदन भरे थे। संचालनालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों में राज्य में पूर्व से चल रहे अंग्रेजी माध्यम के 152 प्राइमरी एवं 153 मिडिल स्कूलों के विद्यार्थियों को कक्षा 6 वीं एवं 9 वीं में प्राथमिकता से प्रवेश दिया जाएगा।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना

योजना की चौथी किस्त भाजपा सरकार हजम कर गयी -दीपक

- कांग्रेस सरकार ने न्याय योजना के लिये 5700 करोड़ का बजट रखा था जो लेप्स हो गया

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त के लिये पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा 5700 करोड़ रू. का बजट पास करके रखा था साय सरकार ने किसानों को भुगतान नहीं किया जिसके कारण किसानों को

मिलने वाली किसान न्याय योजना की चौथी किस्त की बजट राशि 31 मार्च को लेप्स हो गयी। यह भारतीय जनता पार्टी की किसान विरोधी सोच का नतीजा है किसानों ने अपना धान 2580 रू. में सरकार के पास बेचा था यह छत्तीसगढ़ सरकार और किसानों के बीच का अनुबंध था। सरकार चलाने वाला दल भले ही बदल गया हो किसानों से सरकार द्वारा किया गया अनुबंध (वादा) तो यथावत है। किसान न्याय योजना का पैसा किसानों का हक है उन्हें मिलना ही चाहिये। साय सरकार किसानों को उनके धान का पैसा तत्काल भुगतान करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद जन कल्याणकारी योजनायें दम तोड़ रही। किसानों को मिलने वाली राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त नहीं दिया गया। गौठानों को बंद कर दिया गया जिससे 27 लाख से अधिक बहनें जो स्व-सहायता समूह के माध्यम से गौठानों में काम करती थी बेरोजगार हो गयी।

नर्सरी के पेड़ में फांसी पर लटकी मिली युवक की लाश

रायपुर। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां नर्सरी में एक युवक की पेड़ पर लटकती हुई लाश मिली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार आज सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने भानुप्रतापपुर से लगे वन विभाग की नर्सरी में पेड़ पर एक युवक का लटका हुआ शव देखा। जिसके बाद इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस पंचनामा कार्रवाई कर जांच में जुट गई है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है। मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी है।

मतदाताओं को शपथ दिलाकर किया वोट डालने की अपील

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की अगुवाई में निकली जागरूकता रैली

- कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश श्री हेमंत श्राफ़ ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई
- रैली में महिलाएं बुलेट, स्कूटी लेकर निकली, जागरूकता संदेश के लगाए नारे
- तेलीबांधा तालाब में कलेक्टर ने नागरिकों को दिलाई मतदाता जागरूकता की शपथ

रायपुर/ संवाददाता

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में आज मतदाता जागरूकता की रैली का आयोजन किया गया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से निकल कर व्हया शंकरनगर, टर्निंग पॉइंट, खम्हारडीह थाना चौक, अवन्तिबाई चौक, मत्स्य आउटलेट पॉइंट, तेलीबांधा रविग्राम चौक होते हुए तेलीबांधा तालाब पर समाप्त हुई। बाइक रैली को कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश श्री हेमंत श्राफ ने हरी झंडी दिखाई तेलीबांधा तालाब में कलेक्टर डॉ.सिंह नागरिकों को शपथ दिलाकर सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की त्योहार में अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। मतदान हम सभी का अधिकार है जिसपर मतदाताओं की बड़ी भूमिका होती है। कलेक्टर ने कहा कि रायपुर लोकसभा के लिए 7 मई को मतदान की तिथि घोषित की गई है। अधिक से अधिक लोग मतदान केंद्रों में पहुंचकर मतदान करने के साथ अपने परिवारजनों के अलावा आस पड़ोस के लोगो को भी मतदान के लिए प्रेरित करें । कार्यक्रम दौरान प्रसिद्ध कवि श्री अभय निर्भीक द्वारा भारत यात्रा पर काव्य पाठ कर

देश प्रेम को जीवंत करते हुए कहा कि लोकतंत्र के महापर्व का मान जरूरी है, सौ प्रतिशत मतदाता का मतदान जरूरी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए समय-समय पर अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और जिला प्रशासन की टीम कलेक्ट्रेट से मतदाता जागरूकता की तख्ती लेकर बाइक से निकली। रैली राइडर्स पीछे एक साथी तख्ती लेकर निकले जिसपर वोट की ताकत, पहचानो मतदाता, मजबूत प्रजातंत्र से इसका नाता, हमारा आह्वान, करें मतदान, बनें महान जैसे कई संदेश मतदाता जागरूक के दिए गए तेलीबांधा तालाब में कलेक्टर ने बाइक रैली में शामिल राइडर्स के अलावा गणमान्य नागरिकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। मतदाता जागरूकता के तहत ए आई जी श्री संजय शर्मा की टीम के द्वारा जुंबा और नुक्कड़ नाटक के जरिए मतदाता जागरूकता का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। तेलीबांधा तालाब में कार्यक्रम पश्चात मतदाता जागरूकता के तहत किया स्वीप वॉककार्यक्रम के पश्चात तेलीबांधा तालाब में मतदाता जागरूकता के तहत किया स्वीप वॉक जिसमे सभी अधिकारी कर्मचारी साथ चलें। वाक का अगुवाई नन्ही बच्ची कुमारी ओजस्वी त्यागी ने की। जुंबा टीम में भी ओजस्वी की माँ श्रीमती अल्का त्यागी एवं पिता श्री लव त्यागी ने भी नुक्कड़ माध्यम से मतदाता जागरूकता संदेश दिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com